नई दिल्ली ■ रविवार 29 मार्च 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 360 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 वैश्विक संकट और ऊर्जा संरक्षण | 07 धोनी पिंडली में खिंचाव के कारण आईपीएल के पहले दो सप्ताह नहीं खेल पाएंगे | एकता कपूर ने टाली 'भूत बंगला' की रिलीज डेट 08

प्रधानमंत्री ने नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण का उद्घाटन किया

जेवर से युवाओं के सपने उड़ान भरेंगे: मोदी

नोएडा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (जेवर एयरपोर्ट) के प्रथम चरण का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने विमान रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल (एमआरओ) सुविधा का भी शिलान्यास किया। इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह परियोजना केवल एक एयरपोर्ट नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य को नई उड़ान देने वाला प्रयास है। विकसित भारत के संकल्प के तहत आज एक नए अध्याय की शुरुआत हो रही है और उत्तर प्रदेश अब देश के उन राज्यों में शामिल हो गया है जहां सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे विकसित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें इस परियोजना का शिलान्यास और उद्घाटन दोनों करने का अवसर मिला, जो उनके लिए विशेष गौरव का विषय है।

उन्होंने इसे जनता को समर्पित करते हुए कहा कि यह एयरपोर्ट पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास का नया इंजन बनेगा और आगरा, मथुरा, अलीगढ़, गाजियाबाद, मेरठ, बुलंदशहर सहित पूरे क्षेत्र को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह एयरपोर्ट किसानों, लघु एवं मध्यम उद्योगों और युवाओं के लिए नए अवसर लेकर आएगा। यहां से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के साथ-साथ क्षेत्रीय उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने में भी मदद मिलेगी। यह परियोजना 'विकसित उत्तर प्रदेश' की उड़ान का प्रतीक बनेगी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हाल के सप्ताहों में इस क्षेत्र में कई बड़े प्रोजेक्ट शुरू या पूर्ण हुए हैं, जिनमें नोएडा में सेमीकंडक्टर फैक्ट्री का शिलान्यास, दिल्ली-मेरठ नमो भारत रेल की प्रगति और मेरठ मेट्रो का विस्तार शामिल है।

भारत देशवासियों के भरोसे पूरी शक्ति से पश्चिम एशिया संकट का मुकाबला कर रहा

नोएडा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पश्चिमी एशिया में एक महीने से युद्ध जारी है और भारत देशवासियों के भरोसे के साथ इस संकट का पूरी शक्ति से मुकाबला कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने लगभग 11,200 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रथम चरण समेत कार्गो हब का उद्घाटन करने के बाद जेवर में एक समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व चिंतित हैं, पश्चिम एशिया में एक महीने से युद्ध जारी है। युद्ध की वजह से कई सारे देशों में खाने-पीने के सामान, डीजल, खाद का संकट सामने आया है। मोदी ने कहा कि हर देश इस संकट का सामना करने के लिए कुछ न कुछ प्रयास कर रहा है लेकिन भारत देशवासियों की ताकत के भरोसे इस संकट का पूरी शक्ति से मुकाबला कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत बड़ी मात्रा में कच्चे तेल व गैस प्रभावित देशों से मंगाता है इसलिए सरकार हर वह कदम उठा रही है जिससे सामान्य परिवारों, किसान भाई-बहनों पर इस संकट का बोझ न पड़े।

विकास की ऊंचाइयों के साथ जनता को राहत, प्रधानमंत्री की कार्य योजना का हिस्सा : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि विकास की ऊंचाइयों के साथ जनता को राहत प्रधानमंत्री जी की कार्य योजना का हिस्सा है। योगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई प्रमुख नेताओं की मौजूदगी में अपने संबोधन में कहा कि विकास की ऊंचाइयों के साथ जनता को राहत प्रधानमंत्री जी की कार्य योजना का हिस्सा है। यह आज हर क्षेत्र में देखने को मिल रहा है और नोएडा हवाई अड्डा इसी श्रृंखला का हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे पहले मोदी जी का इस भव्य और गरिमामय समारोह में प्रदेश की 25 करोड़ जनता की ओर से नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के माध्यम से उड़ान योजना के तहत राज्य को एक नई ऊंचाई प्रदान करने के लिए अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि यह कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। कल (शुक्रवार को) ही रामनवमी के पावन अवसर पर पूरे देश के अंदर उत्साह का माहौल था। योगी ने कहा कि पूरी दुनिया में अव्यवस्था, अराजकता का माहौल, संशय की स्थिति है और पूरी दुनिया में पेट्रोलियम उत्पादों के दाम आसमान छू रहे हैं। लेकिन अपनी दूरदर्शी सोच, देश प्रथम के भाव से 11 वर्षों से जो कार्य योजना मोदी जी के नेतृत्व में भारत के लिए बनी है, वह अब देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका जैसे विकसित देशों में भी उत्पादों के दाम आसमान छू रहे हैं। पड़ोसी देशों में पेट्रोलियम पदार्थों के दाम आसमान छू रहे, अव्यवस्था फैल रही है और लोगों में कोटा सिस्टम लागू करना पड़ा लेकिन भारत में पेट्रोलियम उत्पादों पर उत्पाद शुल्क कम करने का आपने (मोदी) जो ऐतिहासिक निर्णय लिया है, उसके लिए आभार और कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। योगी ने विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) जैसे दलों के नकारेपन के कारण प्रदेश का विकास 2017 तक रुका रहा। इसी वजह से उत्तर प्रदेश ने जलालत झेली और अव्यवस्था का शिकार बना लेकिन मोदी जी के मार्गदर्शन में देश व सूबे में 'डबल इंजन' की सरकार ने जो गति पकड़ी वह रुकावट की बाधार को तोड़ने में कामयाब रही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 25 नवंबर 2021 को इस हवाई अड्डे का शिलान्यास किया और आपके कर कमलों से आज (शनिवार को) इसके प्रथम चरण का उद्घाटन हो रहा है। आपने हमेशा कहा कि जिसका शिलान्यास करो, उसका उद्घाटन भी करो और आज यह हो रहा है। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश अपनी पहचान की नई उद्घोष कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में नए भारत का नया उत्तर प्रदेश आज अपनी पहचान का नया उद्घोष कर रहा है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, उन्होंने कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा संकल्प को सिद्धि में बदलने का परिणाम है। योगी ने कहा कि यह हवाई अड्डा उत्तर भारत के निवेश, व्यापार व औद्योगिक विकास को नई ऊंचाई तक पहुंचाते हुए व्यापक रोजगार सृजन भी करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हवाई अड्डा उत्तर प्रदेश को 'ग्लोबल कनेक्टिविटी' का केंद्र बनाते हुए यमुना एक्सप्रेसवे और भविष्य में ईस्टर्न पेरिफेरल, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे, आरआरटीएस, दिल्ली-वाराणसी हाईस्पीड रेललाइन जैसे नेटवर्क से जोड़कर प्रदेश को गति के साथ विकास की नई ऊंचाई तक ले जाने का भी कार्य करेगा। योगी ने उद्घाटन समारोह में किसानों के प्रति भी विशेष आभार व्यक्त किया।

नोएडा एयरपोर्ट सिर्फ आधुनिक नहीं, भारतीय संस्कृति का प्रतीक भी : नायडू

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट केवल एक आधुनिक एयरपोर्ट नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपरा का जीवंत प्रतीक बनने जा रहा है। इसके वास्तु और इंटीरियर डिजाइन में उत्तर प्रदेश की विरासत को विशेष रूप से शामिल किया गया है, जिससे यात्रियों को एक अनूठा सांस्कृतिक अनुभव मिलेगा। यह बातें केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने शनिवार को एयरपोर्ट के पहले चरण (फेज-1) के उद्घाटन के अवसर पर कही। केंद्रीय मंत्री ने कार्यक्रम में कहा कि एयरपोर्ट के डिजाइन में उत्तर प्रदेश की पारंपरिक हवेलियों की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देगी। वास्तुकला में उपयोग किए गए डिजाइन जैसे मेहराब, आंगन और पारंपरिक संरचनाएं यात्रियों को प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि टर्मिनल को गंगा घाट की थीम पर मल्टी-लेवल संरचना में विकसित किया जा रहा है, जिससे यात्रियों को वाराणसी और हरिद्वार के घाटों जैसा अनुभव मिलेगा। सीढ़ीनुमा डिजाइन, खुले स्पेस और प्रकाश व्यवस्था इस तरह तैयार की गई है कि यह आध्यात्मिक और शांत वातावरण का एहसास कराए। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के सौंदर्यीकरण में देश के विभिन्न राज्यों के पारंपरिक हस्तशिल्प का उपयोग किया गया है।

ईरान के बुशेहर परमाणु संयंत्र के पास हमला बन सकता है बड़ा खतरा:आईएईए

जिनेवा। पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच 29 दिनों से जारी युद्ध के बीच संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने चेतावनी दी है कि ईरान के बुशेहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास किसी भी सैन्य हमले से रेडियोधर्मी रिसाव का बड़ा खतरा हो सकता है।

तुर्किए की सरकारी संवाद समिति अनाडोलू एजेंसी के अनुसार आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हालिया हमलों पर 'गहरी चिंता' जताई। उन्होंने कहा कि यह संयंत्र सक्रिय है और इसमें बड़ी मात्रा में परमाणु सामग्री मौजूद है, जिससे किसी भी नुकसान के गंभीर और दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। ग्रॉसी ने चेतावनी दी कि अगर इस परमाणु संयंत्र को नुकसान पहुंचता है, तो यह 'एक बड़ा रेडियोलॉजिकल हादसा' बन सकता है, जिसका असर सिर्फ ईरान ही नहीं बल्कि आसपास के कई देशों तक फैल सकता है। आईएईए प्रमुख ने सभी पक्षों से अपील की है कि वे मौजूदा संघर्ष के बीच 'अधिकतम संयम' बरतें और हालात को और बिगड़ने से रोकें।

उन्होंने परमाणु सुविधाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। ग्रॉसी ने कहा कि सशस्त्र संघर्ष के दौरान परमाणु संयंत्रों की सुरक्षा के लिए बनाए गए आईएईए के सात-स्तंभों वाले सुरक्षा ढांचे का पालन करना बेहद जरूरी है।

मणिपुर से आठ उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में प्रतिबंधित संगठनों के विरुद्ध जारी अभियानों में सुरक्षा बलों को लगातार सफलता मिल रही है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा आज दी गयी आधिकारिक सूचना के अनुसार राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बीते 24 घंटे के दौरान विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के कुल आठ कैडरों को गिरफ्तार किया गया है।

पहले अभियान में सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन यूएनएलएफ (पी) के एक सक्रिय कैडर थोंगबम प्रेमजीत सिंह (49) को गिरफ्तार किया गया है। वह पश्चिम इंफाल जिले के थांगमेइबंद काबराबम लेइकाई का रहने वाला है। उसे उसके घर से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपित 2022 की शुरुआत में सगोलबंद ताखेलंबम लेइकाई में हुए एक बम धमाके के संबंध में इंफाल थाने में दर्ज एक प्राथमिकी के मामले में आरोपित है। उसके पास से एक मोबाइल फोन और एक आधार कार्ड जब्त किया गया। दूसरे अभियान में इसी सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन आरपीएफ/पीएलए के एक सक्रिय कैडर चिंगाखाम नोंगपोकंगनबा मैतेई (21) को, जो इंफाल पूर्व जिले के लामलाई थानांतर्गत ताखेल अवांग लेइकाई का रहने वाला है, को उसके इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। तीसरे अभियान में सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह थानांतर्गत अंतरराष्ट्रीय सीमा पोस्ट 73 और 74 के बीच से प्रतिबंधित संगठन केसीपी और केवाईकेएल के एक-एक कैडरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार कैडरों की पहचान केसीपी कैडर अंगोम लेम्बा मैतेई उर्फ लिकलाईंगम्बा (26) के रूप में की गयी है। वह, इंफाल पूर्व जिला के टॉप मोइरांग काम्पू का निवासी बताया गया है। उसकी केवाईकेएल कैडर युमनाम बोनी मैतेई उर्फ यैताम्बा (42) के रूप में पहचान हुई है। वह इंफाल पश्चिम जिला के काचिखुन का निवासी है।

इसी कड़ी में बीते गुरुवार को सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह थानांतर्गत अंतरराष्ट्रीय सीमा पोस्ट 78 और 79 के बीच से प्रतिबंधित संगठन पीएलए के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया। कैडर की पहचान काकचिंग जिला के काकचिंग खुनौ निवासी चोंगथम नानाव सिंह उर्फ खुनौ (29) के रूप में की गयी है। वहीं गुरुवार को ही सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्व जिले के विभिन्न इलाकों से प्रतिबंधित संगठन पीएलए/आरपीएफ के तीन कैडरों को गिरफ्तार किया। इन पर इंफाल इलाकों में व्यापारियों को निशाना बनाकर आईईडी धमाकों की योजना बनाने में शामिल होने का आरोप है।

ओडिशा के नयागढ़ में पर्यटक बस हादसा: पांच की मौत, 40 से अधिक घायल

भुवनेश्वर। ओडिशा के नयागढ़ जिले में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 40 से अधिक लोग घायल हो गए। यह हादसा दशपल्ला थाना क्षेत्र के टाकेरा के पास हनुमान घाटी में हुआ ।मृतकों में बस चालक समेत चार महिलाएं शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, निजी पर्यटक बस में करीब 60 यात्री सवार थे, जो ब्रह्मपुर से हरिशंकर घूमने जा रहे थे। इसी दौरान हनुमान घाटी के पास एक तीखे मोड़ पर चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे बस एक बड़े पत्थर से टकराकर पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि कई यात्री बस से बाहर जा गिरे, जबकि 10 से अधिक लोग बस के नीचे फंस गए। सूचना मिलते ही दशपल्ला और बनिगोछा थाना पुलिस, दमकल कर्मी और एंबुलेंस मौके पर पहुंचे।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से यूपी की वैश्विक कनेक्टिविटी मजबूत होगी : डॉ. अरुणवीर सिंह

नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं एयरपोर्ट के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले डॉ. अरुणवीर सिंह ने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उत्तर प्रदेश की वैश्विक कनेक्टिविटी मजबूत होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को एयरपोर्ट के प्रथम चरण का उद्घाटन किया।

डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि भारत का सबसे बड़ा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनने जा रहा यह प्रोजेक्ट 7 करोड़ यात्रियों की वार्षिक क्षमता और लगभग 10 लाख टन कार्गो हैंडलिंग के साथ कृषि, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) और लॉजिस्टिक्स सेक्टर को नई गति देगा। इसके जरिए फल, सब्जी, डेयरी और सजावटी फूल जैसे पेरिशेबल उत्पाद सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचेंगे, जिससे "फार्म-टू-ग्लोबल मार्केट" मॉडल मजबूत होगा और किसानों की आय में 20–30 प्रतिशत तक वृद्धि की संभावना है। साथ ही लॉजिस्टिक्स लागत घटने, निर्यात बढ़ने और वैश्विक कनेक्टिविटी बेहतर होने से उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मानचित्र पर एक सशक्त पहचान मिलेगी।

उन्होंने कहा कि नोएडा एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश में व्यापार और पर्यटन के नए आयाम स्थापित करने जा रहा है। यह एयरपोर्ट दिल्ली-एनसीआर, आगरा, मथुरा, वृंदावन और वाराणसी जैसे प्रमुख धार्मिक शहरों को एक वैश्विक पर्यटन सर्किट से जुड़ेगा, जिससे अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की आवाजाही में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। बेहतर कनेक्टिविटी के चलते धार्मिक पर्यटन, मेडिकल टूरिज्म और बिजनेस ट्रैवल को भी नई गति मिलेगी। जब यह एयरपोर्ट अपने पूर्ण क्षमता के साथ संचालित होगा, तो इसके व्यापक आर्थिक प्रभाव से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी।

उन्होंने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट केवल परिवहन सुविधा तक सीमित नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का प्रमुख इंजन बनने जा रहा है। उनके अनुसार, शुरुआती 5 वर्षों में एयरपोर्ट ऑपरेशन, ग्राउंड हैंडलिंग, सिक्योरिटी, रिटेल और हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों में 20,000 से अधिक तथा कार्गो, लॉजिस्टिक्स और विमानन सेवाओं में 30,000 से अधिक, कुल मिलाकर 50,000 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि कृषि, ट्रांसपोर्ट, सप्लाई चेन, एमएसएमई, होटल और पर्यटन जैसे क्षेत्र में 5 लाख से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे, जो लंबी अवधि में 40–50 लाख तक पहुंच सकते हैं। डॉ. अरुणवीर सिंह ने कहा कि जेवर एयरपोर्ट के विकास के साथ उत्तर प्रदेश में रियल एस्टेट और औद्योगिक परिदृश्य में व्यापक बदलाव देखने को मिलेगा। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) तेजी से एक प्रीमियम निवेश और औद्योगिक केंद्र के रूप में उभरेगा।

वहीं बुलंदशहर, अलीगढ़ और मथुरा-वृंदावन तक अर्बन एक्सपेंशन कॉरिडोर विकसित होकर नए शहरों और टाउनशिप को जन्म देगा। एयरपोर्ट के आसपास होटल, वेयरहाउस, ऑफिस स्पेस, लॉजिस्टिक्स पार्क और डेटा सेंटर में बड़े निवेश आकर्षित होंगे, जिससे रोजगार और व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ेंगी। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग, फूड प्रोसेसिंग और टेक्सटाइल जैसे निर्यात-उन्मुख उद्योगों को नई गति मिलेगी, जो इस क्षेत्र को एक मजबूत इंडस्ट्रियल और एक्सपोर्ट हब के रूप में स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के संचालन से उत्तर प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र को उल्लेखनीय गति मिलने की उम्मीद है। सिंह ने कहा कि जेवर एयरपोर्ट को केवल दिल्ली-एनसीआर के सहायक एयरपोर्ट के रूप में नहीं, बल्कि भविष्य के एक बड़े मल्टी-मॉडल इंटरनेशनल एविएशन हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बढ़ते दबाव को कम करते हुए एयर ट्रैफिक को संतुलित करेगा। पांच रनवे की प्रस्तावित क्षमता के साथ यह देश का सबसे बड़ा एविएशन हब बनने की दिशा में अग्रसर है।

यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे प्रस्तावित फिल्म सिटी जल्द आकार लेगी, रोजगार का सृजन होगा: बोनी कपूर

नोएडा/लखनऊ। मशहूर फिल्म निर्माता बोनी कपूर ने शनिवार को कहा कि यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे प्रस्तावित 'इंटरनेशनल फिल्म सिटी' परियोजना जल्द ही आकार लेने वाली है और इससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे। गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर इलाके में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन समारोह में शामिल होने आए कपूर को हवाई अड्डे के पास 'नोएडा इंटरनेशनल फिल्म सिटी' विकसित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में शामिल होकर उन्हें खुशी हुई।

कपूर ने कहा, "यहां आकर अच्छा लग रहा है। फिल्म सिटी का काम भी जल्द शुरू हो जाएगा, संभवतः चुनावों से पहले ही। इससे बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा होगा।" उन्होंने कहा कि परियोजना की तैयारियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं और स्थल पर शूटिंग का काम भी शुरू हो गया है। उन्होंने कहा, "अन्य हिस्सों पर भी काम शुरू हो गया है। मेरा मानना है कि चुनावों से पहले काफी प्रगति हो जाएगी, जिसमें फिल्म सिटी की तैयारियां भी शामिल हैं।" उन्होंने हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया कि वह 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों या 2029 के लोकसभा चुनावों का जिक्र कर रहे थे। कपूर ने कहा कि हवाई अड्डे के चालू होने से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी 'ग्रीनफील्ड फिल्म सिटी' परियोजना को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा।

उन्होंने कहा, "जैसे ही हवाई अड्डा चालू होगा, 'इंटरनेशनल फिल्म सिटी' भी तेजी से आकार लेगी। सिर्फ फिल्म सिटी ही नहीं, बल्कि कई अन्य उद्योग भी यहां आएंगे, जिससे पूरे देश को लाभ होगा।" परियोजना को देश की अर्थव्यवस्था में योगदान देने वाला बताते हुए कपूर ने कहा, "इस क्षेत्र का विकास, उत्तर प्रदेश का विकास है और उत्तर प्रदेश का विकास, भारत के विकास में योगदान देगा।" परियोजना की समयसीमा को लेकर उम्मीद जताते हुए उन्होंने कहा कि जिस तरह जेवर में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का पहला चरण साकार हो चुका है, उसी तरह फिल्म सिटी परियोजना भी जल्द पूरी होगी। यह पूछे जाने पर कि क्या हवाई अड्डा का पूरा होना किसानों की जीत है, कपूर ने कहा, "मुझे लगता है कि यह भारत की जीत है।"

नौकर ने की मुर्गा फार्म के मालिक की लोहे के पाइप से पीटकर हत्या

नोएडा। जिले में थाना जारचा क्षेत्र के खटाना गांव के एक मुर्गा फार्म हाउस में काम करने वाले नौकर ने शनिवार को मालिक से हुए विवाद में उसकी हत्या कर दी। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने नौकर को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि शनिवार सुबह को थाना जारचा पुलिस को सूचना मिली कि खटाना गांव में स्थित मुर्गा फार्म हाउस के मालिक प्रशांत सिंह (33) को किसी अज्ञात व्यक्ति ने सिर में चोट मार कर हत्या कर दी है। सूचना के आधार पर थाना जारचा पुलिस मौके पर पहुंची। वहां पर फिल्ड यूनिट को बुलाया गया। घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए जांच की गई। जांच में पाया गया कि मृतक प्रशांत सिंह एवं उनके नौकर यशवीर, जो ग्राम टोली थाना जहांगीराबाद बुलंदशहर रहने वाला है, के मध्य किसी बात को लेकर शुक्रवार की रात को गाली गलौज हुई थी। इसी विवाद के चलते यशवीर ने लोहे की पाइप से प्रशांत के सिर पर प्रहार किया, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। थाना जारचा पुलिस ने आरोपित यशवीर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पूछताछ में यशवीर ने बताया है कि उसका मालिक शराब पीकर उसे रोज पीटता था। शुक्रवार की रात को भी उसने पीटा। जब उसका मालिक सोने चला गया तो उसने देर रात को उसके ऊपर लोहे के पाइप से हमला कर उसकी हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी ने मृतक का मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त लोहे के पाइप को खेत में छुपा दिया था। पुलिस ने उसे भी बरामद कर लिया है। यह खबर जैसे ही गांव में फैली, आक्रोशित ग्रामीण शनिवार को सड़कों पर उतर आए और खटाना पुल पर जाम लगा दिया।

माहौल तनावपूर्ण हो गया, लेकिन पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और जल्द खुलासे का भरोसा दिलाकर लोगों को शांत कराया। फिलहाल पुलिस ने मुख्य आरोपी नौकर यशवीर को हिरासत में लेकर हत्या में इस्तेमाल लोहे का पाइप बरामद कर लिया है, जबकि एक अन्य नौकर से भी पूछताछ जारी है। मृतक के भाई प्रभात ने इस मामले में यशवीर और वहां काम करने वाले एक अन्य नौकर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है।

घर में घुसकर व्यक्ति के साथ मारपीट

दादरी। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के चरनी विहार कॉलोनी में घर में घुसकर पड़ोसी ने एक व्यक्ति से मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित ने दो लोगों के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि भुवनेश कुमार अपने घर पर कार्य कर रहे थे, तभी पड़ोसी दुर्गा प्रसाद गाली-गलौज करने लगे और मना करने पर लात-घूसे चलाने लगे। दुर्गा प्रसाद के साले पर भी मारपीट का आरोप है। मारपीट के बाद दोनों जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

महानगर इकाई में गुटबाजी चरम पर, बैठक में शामिल नही हुए सपा कार्यकर्ता

नोएडा। 29 मार्च को दादरी में होने जा रही समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की रैली को लेकर समाजवादी पार्टी में गुटबाजी उभर कर दिख रही है। रैली की तैयारीयों को लेकर 26 मार्च को समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष डॉ आश्रय गुप्ता द्वारा सेक्टर 71 में समाजवादी पार्टी संगठन की एक मीटिंग आयोजित की गई। जिसमें महानगर के सभी कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया गया था।

परंतु मीटिंग में उनकी कार्यकारिणी के ही लोग नहीं पहुंचे। साथ ही महानगर के प्रकोष्ठों के अध्यक्षों ने भी मीटिंग में भाग लेना जरूरी नहीं समझा । वहीं दूसरी ओर समाजवादी पार्टी के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सुनील चौधरी द्वारा शाम को सेक्टर 19 के बारात घर में रैली की आयोजन को लेकर मीटिंग आयोजित की गई जिसमें पूर्व राज्य मंत्री जावेद आब्दी एवं रैली के संयोजक राजकुमार भाटी खुद उपस्थित रहे। इससे पूर्व भी महानगर संगठन द्वारा आयोजित रोजा इफ्तार पार्टी में पूर्व मंत्री एवं अन्य आमंत्रित लोग उपस्थित नहीं हुए थे। गौरतलब है की रैली के संयोजक राजकुमार भाटी द्वारा रैली की तैयारी को लेकर अभी तक जितनी भी मीटिंग की गई हैं किसी भी मीटिंग में महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता को आमंत्रित नहीं किया गया है। एक ही दिन एक ही रैली को लेकर दो जगह मीटिंग होना समाजवादी पार्टी मे चल रही अंदरूनी खींचतान को दर्शाता है।

जिसे संगठन में महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता की घटती हुई पकड़ के तौर पर देखा जा रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि संगठन में पद पाने के बाद डॉक्टर साहब ने अपने वरिष्ठ नेताओं को वह सम्मान नहीं दिया जो उन्हें मिलना चाहिए था और अब पार्टी के वरिष्ठ लोगों द्वारा उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है।

बुलेट ट्रेन और हाईवे से मिलेगी नोएडा एयरपोर्ट तक सुपरफास्ट कनेक्टिविटी

नोएडा। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश के सबसे बेहतर कनेक्टिविटी नेटवर्क से जुड़ने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। सड़क, मेट्रो, रेल और हाईस्पीड रेल के जरिए इसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जोड़ा जा रहा है। आने वाले कुछ वर्षों में दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से हवाई अड्डों तक पहुंचने के लिए सुपरफास्ट कनेक्टिविटी मिलेगी। दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, मथुरा, अलीगढ़, आगरा से यमुना एक्सप्रेस-वे के जरिए यात्री सीधे एयरपोर्ट पहुंच सकेंगे। इसी वर्ष तक दिल्ली, पलवल, फरीदाबाद, गाजियाबाद, बागपत से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे से भी सीधी कनेक्टिविटी मिल जाएगी।

गाजियाबाद से ग्रेटर नोएडा वेस्ट और ग्रेटर नोएडा, यमुना सिटी होते हुए नमो रेल से हाईस्पीड कनेक्टिविटी से नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक कुछ ही मिनटों में यात्री आना-जाना कर सकेंगे। देश की बड़ी परियोजना में शामिल बुलेट ट्रेन आने वाले वर्षों में दिल्ली, नोएडा होते हुए मध्य उत्तर प्रदेश के शहरों मे जाएगी। यमुना प्राधिकरण के एसीईओ और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया के मुताबिक गौतमबुद्ध नगर में बुलेट ट्रेन के दो स्टेशन बनाए जाने की योजना है। इसमें एक नोएडा के सेक्टर-148 में होगा, जोकि ग्रेटर नोएडा के भी नजदीक रहेगा। दूसरा स्टेशन एयरपोर्ट के पास प्रस्तावित है।

बुलेट ट्रेन के जरिए यात्री दिल्ली से 20 मिनट में नोएडा एयरपोर्ट पहुंच सकेंगे। उन्होंने बताया कि गाजियाबाद से नोएडा एयरपोर्ट के लिए रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम या नमो भारत (आरआरटीएस) रूट को मंजूरी मिल गई है। गाजियाबाद से नोएडा एयरपोर्ट तक एक ही ट्रैक पर नमो भारत ट्रेन व मेट्रो चलाई जानी है। इसमें 11 स्टेशन नमो भारत व 11 स्टेशन मेट्रो के हैं। एयरपोर्ट से गाजियाबाद तक 72.2 किमी तक एलिवेटेड ट्रैक बनाया जाएगा। पहले चरण में गाजियाबाद के सिद्धार्थ विहार से ग्रेटर नोएडा ईकोटेक-6 तक और दूसरे चरण में ईकोटेक-6 से एयरपोर्ट तक कॉरिडोर बनाया जाना है। इस पर 20637 करोड़ रुपये खर्च होने हैं। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे का इंटरचेंज निर्माणधीन है। 531 करोड़ रुपये की इस परियोजना में यमुना एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे चारों ओर 8 लूप बनाकर जोड़ा जा रहा है। इसके बनने के बाद एक तरफ दिल्ली, पलवल, सोनीपत, पानीपत और दूसरी ओर गाजियाबाद, बागपत के यात्री नोएडा एयरपोर्ट आसानी से पहुंच सकेंगे। गंगा एक्सप्रेसवे को यमुना सिटी के सेक्टर-21ए स्थित फिल्म सिटी के पास यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ने की योजना है।

इस एक्सप्रेसवे के लिए यमुना प्राधिकरण किसानों से सीधे जमीन खरीद कर रहा है। अगले तीन वर्ष में यह एक्सप्रेसवे बनने से बुलंदशहर, मेरठ और अन्य जिलों से काफी कम समय में यात्री पहुंच सकेंगे।

पीएम व सीएम का घेराव करने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका

नोएडा। शनिवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रथम चरण के उद्घाटन समारोह के दौरान देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्थानीय समस्याओं का समाधान करने की मांग को लेकर घेराव करने जा रहे पुलिस ने बीच रास्ते में ही रोक दिया।वहीं पिछले तीन दिनों से जिला कांग्रेस कमेटी गौतमबुद्ध नगर के अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला को पुलिस ने उनके ही आवास पर नजरबंद कर रखा था। इसके बावजूद शनिवार को प्रातः काल से ही सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जमावड़ा जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला के बिसरख स्थित आवास पर लगना शुरू हो गया। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला के नेतृत्व में जेवर एयरपोर्ट के सभा स्थल की ओर कूच करने का ऐलान किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने भारी पुलिस बंदोबस्त के बीच सभा स्थल की ओर कूच का प्रयास किया। जिससे पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा उच्च अधिकारियों को सूचित किया गया, जिसके पश्चात एसीपी पवन कुमार मौके पर पहुंचे और घंटों चली तीखी वार्ता के दौरान कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए कार्यकर्ताओं को रोकने का प्रयास किया।

घने कोहरे, कम दृश्यता और बारिश के दौरान भी हो सकेगी विमानों की उड़ान और लैंडिंग

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ही साढे चार वर्ष पूर्व इसका शिलान्यास किया था और शनिवार को उन्होंने ही लोकार्पण किया। एयरपोर्ट निर्माण का पहला चरण पूरा होने के बाद यहां 3.9 किलोमीटर का रनवे बनकर तैयार है। इस रनवे पर विमान समानांतर रूप से एक साथ उड़ान भरेंगे और लैंडिंग करेंगे। 45 मीटर चौड़ाई वाले रनवे में आईएलएस तकनीक के अत्याधुनिक सिस्टम कैट थ्री का इस्तेमाल किया जाएगा। जिससे समानांतर उड़ानों में कोई परेशानी नहीं आएगी।

यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के एसीईओ और एयरपोर्ट के नोडल अधिकारी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि देश में इस समय सिर्फ मुंबई और दिल्ली एयरपोर्ट पर ही समानांतर उड़ान की सुविधा है। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर चार रनवे हैं, जो एक साथ कई उड़ानें और लैंडिंग संभालने में सक्षम हैं। अक्सर यहां पर समानांतर लैंडिंग होती है। उन्होंने बताया कि मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भी समानांतर उड़ान व लैंडिंग की सुविधा है। इन दोनों के बाद नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश का तीसरा हवाई अड्डा होगा, जहां पर लोगों को यह सुविधा मिलने वाली है। आईएलएस सिस्टम होने से खराब मौसम में भी विमानों की उड़ान और लैंडिंग में कोई परेशानी नहीं आएगी। उन्होंने बताया कि दिल्ली, मुंबई और नोएडा एयरपोर्ट के अलावा भारतीय वायु सेना के एयरस्ट्रिप्स पर भी समानांतर लैंडिंग होती है। उत्तर प्रदेश में यमुना एक्सप्रेस-वे और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे जैसे राजमार्गों पर आपातकालीन लैंडिंग की सुविधा है। उन्होंने कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में घने कोहरे, बहुत कम विजिबिलिटी और बारिश के दौरान भी विमानों की उड़ान और लैंडिंग हो सकेगी। एयरपोर्ट में इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) के सबसे हाई लेवल तकनीकि सिस्टम कैट थ्री का इस्तेमाल किया जाएगा। इस तकनीक के जरिए कम दृश्यता में भी सुरक्षित लैंडिंग कराई जाती है। आमतौर पर पायलट इस तकनीकि का इस्तेमाल तब करते हैं, जब उन्हें बाहर कुछ भी दिखाई न दे रहा हो और लैंडिंग के लिए पूरी तरह से उन्हें तकनीकि पर निर्भर होना पड़ता है। उन्होंने बताया कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में सामानांतर उड़ानों की सुविधा रहेगी। वहीं एयर ट्रैफिक और यात्रियों का भार ज्यादा होने पर जब इसे पूरी क्षमता से चलाया जाएगा तो यहां से एक घंटे में 30 विमान लैंडिंग करने के साथ ही उड़ान भर सकेंगे।

जिससे यात्रियों को समय से उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा सकेगा। एयरपोर्ट की तकनीकी टीम उद्घाटन के बाद इसके लिए जल्द अपने ट्रायल शुरू कर देगी। उन्होंने बताया कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में पहले चरण में एक रनवे बनकर तैयार हुआ है। इसके बाद बचे हुए तीन चरण में इसका काम को पूरा किया जाएगा और कुल छह रनवे बनकर तैयार हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता 'भारत आविष्कार 2026' हैकथॉन कार्यक्रम में हुई शामिल

युवाओं का उत्साह, कौशल और संकल्प ही भारत की सबसे बड़ी पूंजी: सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को "भारत आविष्कार 2026" विश्व के सबसे बड़े हैकथॉन कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस आयोजन में देशभर से आए युवा इनोवेटर्स ने अपने अभिनव विचारों से सभी का ध्यान आकर्षित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि कार्यक्रम में प्रस्तुत किए गए आइडियाज केवल तकनीकी क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि शहरी विकास, लोकतंत्र की मजबूती और सामाजिक सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी व्यावहारिक और प्रभावी समाधान सामने आए।

मुख्यमंत्री ने युवाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि नई पीढ़ी में विचारों को नवप्रवर्तन में और नवप्रवर्तन को वास्तविक प्रभाव में बदलने की अद्भुत क्षमता है। उन्होंने "दिल्ली 2.0" की अपनी परिकल्पना साझा करते हुए एक ऐसी राजधानी के निर्माण पर जोर दिया, जो नवाचार से

प्रेरित, समावेश से सशक्त और तकनीक के साथ-साथ विश्वास को भी समान महत्व देने वाली हो।

उन्होंने कहा कि युवाओं का उत्साह, कौशल और संकल्प ही भारत की सबसे बड़ी पूंजी है, जो देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस अवसर पर दिल्ली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल, कार्यक्रम के संयोजक एवं पार्षद शशि यादव सहित कई गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने की उपराज्यपाल से मुलाकात

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को लोकनिवास में उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रशासनिक और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू के साथ दिल्ली के विकास, जनकल्याण और भविष्य की दिशा पर सार्थक चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष का ग्रीन बजट इसी विजन को आगे बढ़ाता है, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर को गति, पर्यावरण को प्राथमिकता और नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने का संकल्प केंद्र में है। उन्होंने कहा कि विकसित दिल्ली के निर्माण के लिए सरकार कृतसंकल्पित हैं।

एआई समिट में प्रदर्शन के मामले में राजीव कुमार को अग्रिम जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने भारत मंडपम में एआई शिखर सम्मेलन के दौरान 20 फरवरी को शर्टलेस प्रदर्शन मामले में आरोपी राजीव कुमार को अग्रिम जमानत दे दी है। एडिशनल सेशंस जज अमित बंसल ने यह आदेश दिया।

कोर्ट ने राजीव कुमार को जांच में शामिल होने का निर्देश दिया। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि अगर राजीव कुमार को गिरफ्तार करने की जरुरत पड़े तो एक सप्ताह पहले नोटिस देना होगा। सुनवाई के दौरान राजीव कुमार के वकील अमरीश रंजन पांडेय ने कहा कि किसी पार्टी से जुड़ा होना किसी को दोषी करार नहीं देता है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन का वीडियो बनाना किसी भी रुप में अपराध नहीं है।

इसके पहले कोर्ट ने 14 मार्च को राजीव कुमार को आज तक की अंतरिम जमानत दी थी। दिल्ली पुलिस ने अग्रिम जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि राजीव कुमार इस साजिश का हिस्सा थे और उसने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाया था।

इस मामले में युवा कांग्रेस के नौ कार्यकर्ताओं को जमानत मिल चुकी है। इसके अलावा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब को भी जमानत मिल चुकी है। इस मामले में उदय भानु चिब को 28 फरवरी को मजिस्ट्रेट कोर्ट से जमानत मिली थी। 28 फरवरी को ही सेशंस कोर्ट ने जमानत पर रोक लगा दिया था।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने दो मार्च को चिब को जमानत पर लगी रोक को हटा दिया था। इस मामले में युवा कांग्रेस के महासचिव निगम भंडारी को 24 मार्च तक की अंतरिम जमानत मिल चुकी है।

मतदाता सूची संशोधन पर कांग्रेस सतर्क, हर बूथ पर निगरानी की तैयारी

नई दिल्ली। दिल्ली में आगामी विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सतर्कता बढ़ा दी है। बादली विधानसभा निर्वाचन कार्यालय द्वारा बादली गांव में आयोजित बैठक में कांग्रेस के बूथ स्तर प्रतिनिधियों (बीएलए-2) को प्रशिक्षण दिया गया और उन्हें चुनाव आयोग के बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) से परिचित कराया गया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए देवेन्द्र यादव ने स्पष्ट किया कि दिल्ली कांग्रेस मतदाता सूची में होने वाले संशोधन पर बूथ स्तर तक पैनी नजर रखेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के बीएलए-2 यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी वैध मतदाता अपने संवैधानिक मतदान अधिकार से वंचित न रहे।

देवेन्द्र यादव ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की प्रारंभिक जांच के दौरान कई विसंगतियां सामने आई हैं,

जिनमें मौजूद मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के बीएलए-2 ने घर-घर जाकर सत्यापन किया, जिसमें संबंधित मतदाता अपने पते पर मौजूद पाए गए। इस पर उन्होंने आयोग से भविष्य में ऐसी त्रुटियों से बचने और निष्पक्ष कार्यशैली अपनाने की अपील की।

बैठक में बूथ प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राजेश गर्ग, अमीर सिंह, आदर्श नगर के उप जिलाधिकारी तथा सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी सहित अन्य सरकारी अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस दौरान कांग्रेस के बीएलए-2 और सरकारी बीएलओ के बीच समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया, ताकि एसआईआर प्रक्रिया सुचारू और पारदर्शी तरीके से पूरी हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी प्रकार की अनियमितता या साजिश के तहत पात्र मतदाताओं के नाम हटाने का प्रयास किया गया, तो कांग्रेस इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने बताया कि दिल्ली के लगभग 13 हजार बूथों पर बीएलए-2 की नियुक्ति की जा चुकी है, जो लगातार निगरानी बनाए रखेंगे।

24 साल से अटका रिठाला-नरेला मैट्रो कॉरिडोर, जल्द निर्णय की मांग

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में प्रस्तावित रिठाला-रोहिणी-बरवाला-बवाना-नरेला-कुंडली मैट्रो कॉरिडोर को लेकर फिर आवाज उठी है। शिक्षाविद् दयानंद वत्स ने इस परियोजना में लगातार हो रही देरी पर सवाल उठाते हुए सरकारों से स्पष्ट निर्णय की मांग की है। वत्स ने कहा कि पिछले 24 वर्षों से यह परियोजना मंजूरी के इंतजार में अटकी हुई है और बार-बार इसे अटकाया, भटकाया और लटकाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कभी दिल्ली, कभी हरियाणा और कभी केंद्र सरकार की मंजूरी के कारण परियोजना आगे नहीं बढ़ पा रही है। उन्होंने बताया कि शुरुआत में इस मैट्रो लाइन को पहले चरण में शाहदरा से बरवाला तक स्वीकृति दी गई थी, बाद में इसे नरेला और फिर कुंडली नाथुपुर तक विस्तार देने की बात कही गई। बीच में मैट्रो लाइट और सामान्य मैट्रो को लेकर भी बदलाव हुए, जिससे प्रक्रिया और लंबी होती चली गई। वत्स ने यह भी कहा कि हाल ही में रोहिणी क्षेत्र में बिना पर्याप्त जानकारी दिए रूट में बदलाव कर दिया गया, जिसके कारण नई डीपीआर तैयार करनी पड़ी। इससे परियोजना की मंजूरी प्रक्रिया फिर से शुरू हो गई और निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं हो सका है।

उन्होंने नरेन्द्र मोदी से अपील करते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण परियोजना में आ रही सभी बाधाओं को दूर कर जल्द निर्माण कार्य शुरू कराया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि सरकारें इस परियोजना को पूरा नहीं करना चाहतीं तो इसे रद्द करने की घोषणा कर दी जाए, ताकि जनता अनिश्चितता से मुक्त हो सके।

वत्स के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के लाखों लोग वर्षों से इस मैट्रो परियोजना का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब तक जमीन पर कोई कार्य शुरू नहीं हुआ है, जिससे लोगों में निराशा और आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

25 अप्रैल से सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का ऐलान

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की विभिन्न यूनियनों की कोर कमेटी ने 25 अप्रैल से काम बंद हड़ताल पर जाने की घोषणा की है। यह निर्णय कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर लिया गया है।

कोर कमेटी के महासचिव ब्रह्म ढीकिया ने बताया कि निगम प्रशासन और भाजपा की ओर से कर्मचारियों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिसके चलते हड़ताल का फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि 25 अप्रैल को दिल्ली के सभी सफाई कर्मचारी काम बंद कर धरने पर बैठेंगे।

नेताओं ने आरोप लगाया कि निगम में कर्मचारियों की भारी कमी है। जहां लगभग 62 हजार सफाई कर्मचारियों की आवश्यकता है, वहीं केवल करीब 40 हजार कर्मचारी ही कार्यरत हैं। इस कारण एक-एक कर्मचारी को कई लोगों का काम करना पड़ रहा है।

कोर कमेटी के अन्य पदाधिकारियों, जिनमें एस के चौधरी, पिंकी सुजाता, सतीश, सत्यभान सारसर, टांक और संजय वरुंडा शामिल रहे, ने भी कर्मचारियों की मांगों को जायज़ बताते हुए कहा कि लंबे समय से लंबित मुद्दों का समाधान नहीं किया जा रहा है।

कर्मचारी नेताओं ने यह भी मांग उठाई कि कच्चे कर्मचारियों को नियमित किया जाए और ठेकेदारी व्यवस्था के तहत रखे गए सफाई कर्मचारियों को हटाकर स्थायी भर्ती की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

चैती छठ पर मैली यमुना में उतरे श्रद्धालु, दावों पर उठे सवाल

नई दिल्ली। चैती छठ के अवसर पर यमुना नदी की खराब स्थिति एक बार फिर चर्चा में आ गई, जब हजारों श्रद्धालुओं को जहरीले झाग और प्रदूषित जल के बीच पूजा-अर्चना करनी पड़ी। आम आदमी पार्टी के नेता अरुण तोमर ने सरकार के दावों पर सवाल उठाते हुए इसे प्रशासनिक विफलता बताया।

अरुण तोमर ने कहा कि यमुना सफाई को लेकर किए गए वादे अब तक पूरे नहीं हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय से सत्ता में होने के बावजूद सरकार यमुना से जहरीले झाग तक हटाने में असफल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कालिंदी कुंज सहित कई घाटों पर श्रद्धालुओं को मजबूरी में प्रदूषित जल में ही अर्घ्य देना पड़ा। उन्होंने बताया कि मार्च 2026 में छठ पर्व के दौरान यमुना में सफेद झाग की मोटी परतें देखी गईं, जो औद्योगिक अपशिष्ट और बिना शोधन के सीवेज के कारण बनी हैं। श्रद्धालुओं ने गहरी आस्था के चलते इन हालातों के बावजूद पूजा संपन्न की, लेकिन यह स्थिति उनके स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनी हुई है। अरुण तोमर के अनुसार, यमुना में अमोनिया और फास्फेट की उच्च मात्रा के कारण जहरीले झाग बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बार-बार किए जा रहे सफाई के दावे जमीनी हकीकत से मेल नहीं खाते और स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है।

इंडिया गेट पर सख्ती: अवैध पार्किंग पर शिकंजा, रेड लाइट जंपिंग पर कैमरों से नजर

नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में बढ़ती भीड़ को देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने इंडिया गेट और कर्तव्य पथ इलाके में यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए सख्ती बढ़ा दी है। अवैध पार्किंग, गलत दिशा में वाहन चलाने और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। ट्रैफिक पुलिस द्वारा शनिवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 में इंडिया गेट के आसपास कुल 2253 चालान किए गए। इनमें सबसे ज्यादा 1720 चालान अवैध पार्किंग के हैं। इसके अलावा 293 मामलों में कैमरे के जरिए चालान जारी किए गए, जबकि 60 चालान बिना हेलमेट के काटे गए।

वहीं 180 वाहनों को मौके से टो कर हटाया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार ट्रैफिक नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख चौराहों पर लाल बत्ती वायलेशन डिटेक्शन कैमरे लगाए जा रहे हैं। मथुरा रोड-भैरों मार्ग, रिंग रोड-भैरों रोड और जनपथ-टॉलस्टॉय मार्ग जैसे व्यस्त स्थानों पर 10 कैमरे स्थापित किए जा रहे हैं। ये कैमरे रेड लाइट जंप करने वालों का स्वतः चालान करेंगे।

कैमरे पर यातायात उल्लंघन की रिकॉर्डिंग प्रणाली के तहत ट्रैफिक पुलिसकर्मी मौके पर ही मोबाइल फोन के जरिए चालान नोटिस भेज रहे हैं। मार्च महीने में ही 293 ऐसे चालान जारी किए गए हैं। नियम तोड़ने वालों को कोर्ट के जरिए जुर्माना भरना होगा। वहीं ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करें। इंडिया गेट के पास पी1 और पी2 पार्किंग (मान सिंह रोड) के अलावा जनपथ पर पी5 और रफी मार्ग पर पी6 पार्किंग उपलब्ध हैं। बसों के लिए पी1 पार्किंग तय की गई है। पुलिस ने साफ किया है कि सड़क किनारे या फुटपाथ पर वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा गया है कि नियमों का पालन करें, ताकि सभी के लिए यातायात सुगम बना रहे। वहीं किसी भी तरह की सहायता के लिए लोग 112 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

स्कूली छात्रों को लैपटॉप व स्कूटी देने की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली में छात्राओं को साइकिल वितरण योजना पर प्रतिक्रिया देते हुए वीर सिंह धिंगान ने सरकार से छात्रों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि बदलते समय में साइकिल की जगह अब तकनीकी और तेज साधनों की आवश्यकता है।

धिंगान ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर सुझाव दिया कि नौवीं से बारहवीं कक्षा तक के छात्र-छात्राओं को लैपटॉप और स्कूटी प्रदान की जानी चाहिए। उनका कहना है कि शिक्षा के क्षेत्र में दिल्ली अग्रणी राज्यों में शामिल है, ऐसे में छात्रों को आधुनिक संसाधनों से जोड़ना आवश्यक है।

वीर सिंह धिंगान ने तर्क दिया कि जब विधायकों के लिए विधानसभा में कम्प्यूटर की व्यवस्था की जा सकती है, तो छात्रों के लिए लैपटॉप देना भी संभव है।

इससे सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र डिजिटल शिक्षा से जुड़ सकेंगे और निजी विद्यालयों के छात्रों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे।

वीर सिंह धिंगान ने कहा कि देश तेजी से प्रगति कर रहा है और डिजिटल युग में छात्रों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना समय की मांग है। स्कूटी जैसी सुविधा से विशेष रूप से छात्राओं को आवागमन में सहूलियत मिलेगी, जिससे उनकी शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

इंडिगो विमान की दिल्ली हवाईअड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग, सभी यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम से दिल्ली आ रहे इंडिगो के एक विमान को शनिवार सुबह तकनीकी खराबी के कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। इसमें सवार 161 यात्री और चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। दमकलकर्मियों को सुबह करीब 10:53 बजे आपातकालीन स्थिति की सूचना मिली जिसके बाद पांच गाड़ियां रनवे पर तैनात कर दी गयीं।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक इंडिगो का एक विमान विशाखापत्तनम से दिल्ली आ रहा था, तभी उसमें इंजन फेल होने जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। विमान को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतरा गया।

इंडिगो के विमान संख्या 6ई 579 ने सुबह 8:39 बजे विशाखापत्तनम से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। सफर के दौरान अचानक विमान के इंजन में तकनीकी खराबी आ गई। हवा में विमान का एक इंजन फेल होने की खबर मिलते ही उसमें सवार यात्रियों में डर और अफरा-तफरी का माहौल

पैदा हो गया। हालात की गंभीरता को देखते हुए पायलट ने तुरंत दिल्ली एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचित किया, जिसके बाद इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर इमरजेंसी प्रोटोकॉल सक्रिय किए गए। सुरक्षा के लिहाज से रनवे नंबर 28 को खाली कराकर हाई अलर्ट पर रखा गया।

पायलट ने सिंगल इंजन के सहारे विमान को संतुलित रखते हुए सुरक्षित लैंड कराया। विमान के जमीन छूते ही सभी 161 यात्रियों और चालक दस के सदस्यों ने राहत की सांस ली।

इंडिगो प्रवक्ता ने इस घटना पर बयान में कहा, लैंडिंग से कुछ ही देर पहले तकनीकी खराबी का पता चला था। स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के तहत पायलटों ने प्राथमिकता के आधार पर लैंडिंग का अनुरोध किया और विमान सुरक्षित रूप से उतर गया। फिलहाल विमान की आवश्यक जांच और रखरखाव जारी है।

अवैध हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़: एनआईए मामले का आरोपित गिरफ्तार

घर की ऊपरी मंजिल पर चल रही थी फैक्ट्री, मुख्य आरोपित का आतंकी कनेक्शन

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अवैध हथियारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक संगठित नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने शनिवार को बताया कि एनआर-2 यूनिट ने दिल्ली से लेकर मेरठ तक कार्रवाई कर न केवल दो आरोपितों को गिरफ्तार किया, बल्कि एक पूरी अवैध हथियार निर्माण यूनिट का भी खुलासा किया है। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में हथियार, मैगजीन और निर्माण उपकरण बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, 19 मार्च को बादली रेलवे स्टेशन के पास से हसीर उर्फ शूटर (25) को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से दो सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, एक पेन पिस्टल और छह जिंदा कारतूस बरामद हुए।

पूछताछ में उसने खुलासा किया कि वह मेरठ निवासी परवेज उर्फ फर्रू से हथियार लेकर दिल्ली में

सप्लाई करता था। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने कोर्ट से रिमांड लेकर मेरठ में छापेमारी की। 26 मार्च को परवेज के घर दबिश दी गई। पुलिस को देखते ही आरोपित भागने लगा, लेकिन टीम ने पीछा कर उसे पकड़ लिया।

जांच में सामने आया कि परवेज अपने घर की ऊपरी मंजिल पर ही अवैध हथियार बनाने का काम करता था। तलाशी के दौरान पुलिस ने 24 पेन पिस्टल, 78 मैगजीन, तीन बैरल, तीन स्लाइड, तीन पिस्टल बॉडी और बड़ी संख्या में छोटे-छोटे पुर्जे बरामद किए। इसके अलावा ड्रिल मशीन समेत कई उपकरण भी मौके से मिले।

बरामद 25 पेन पिस्टल पुलिस के लिए चिंता का विषय हैं। ये देखने में साधारण पेन जैसी होती हैं और आसानी से छिपाई जा सकती हैं। पुलिस के अनुसार, ये 7.65 एमएम कारतूस से फायर करती हैं और नजदीकी दूरी पर बेहद खतरनाक साबित हो सकती हैं।

मुख्य आरोपित परवेज उर्फ फर्रू (37) का आपराधिक इतिहास काफी लंबा है। उसे 2017 में एनआईए ने यूएपीए के तहत गिरफ्तार किया था। वह खालिस्तानी आतंकियों को हथियार सप्लाई करने के मामले में शामिल रहा है और करीब पांच साल जेल में रह चुका है। उसके खिलाफ अवैध हथियार बनाने और सप्लाई से जुड़े एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। उसे 12 साल पहले और फिर 2024 में भी मेरठ पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है।

वहीं, हसीर उर्फ शूटर भी करीब 10 मामलों में शामिल रहा है। वह 2021 में 50 लाख रुपये की चोरी के मामले में पकड़ा गया था और मुजफ्फरनगर में पुलिस पार्टी पर फायरिंग की घटना में भी शामिल रहा है।

संपादकीय

यूपी की एक और उड़ान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश के जेवर में 11,282 करोड़ रुपये की लागत तैयार नोएडा इंटरनेशनल के पहले फेज का जैसे ही उद्‌घाटन किया। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश अब 5 इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला देश का पहला राज्य बन गया है। इस ऐतिहासिक क्षण के गवाह बनें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ राज्यपाल आनंदी बेन पटेल केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण। यह प्रोजेक्ट केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार के अथक प्रयासों से चार चरणों में पूरा होगा जिसकी कुल अनुमानित लागत 29,560 करोड़ रुपये है। फिलहाल अभी पहले चरण का शुभारंभ हुआ है। एयरपोर्ट के उद्‌घाटन कार्यक्रम को लेकर पूरे गौतमबुद्ध नगर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किया गया था। चूंकि जवेर राष्ट्रीय राजधानी से काफी करीब है इसलिए इसकी सुरक्षा का उच्चस्तरीय ख्याल रखा गया। जेवर एयरपोर्ट शुरू होने के बाद उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन जाएगा, जिसके पास 5 इंटरनेशनल एयरपोर्ट होंगे, जिससे जेवर उत्तर भारत के लिए एक प्रमुख विमानन केंद्र के रूप में स्थापित हो जाएगा। यहां से देश विदेश के लिए हजारों विमान रोजाना उड़ान भरेंगे। हाल ही में केंद्र सरकार ने उड़ान योजना को और विस्तार दिया है। इसके लिए लगभग 29,000 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसके तहत छोटे-छोटे शहरों में 100 नए एयरपोर्ट और 200 नए हेलिपैड बनाने की योजना है। किसी भी देश में एयरपोर्ट सिर्फ एक सामान्य सुविधा नहीं होती। ये एयरपोर्ट प्रगति को भी उड़ान देते हैं। साल 2014 से पहले देश में सिर्फ 74 एयरपोर्ट थे, आज 160 से अधिक एयरपोर्ट हो चुके हैं। अब महानगरों के अलावा, देश के छोटे-छोटे शहरों तक भी हवाई कनेक्टिविटी पहुंच रही है। पहले की सरकारें मानती थीं कि हवाई यात्रा सिर्फ अमीरों के लिए होनी चाहिए, लेकिन केंद्र सरकार ने सामान्य भारतीयों के लिए भी हवाई यात्रा को आसान बना दिया है। ये परियोजनाएं 'डबल-इंजन' सरकार के UP के विकास की दिशा में किए गए प्रयासों का प्रमाण हैं। यूपी में सिर्फ एयरपोर्ट ही नहीं कई दिशामें प्रगति के सोपान बनाए जा रहे है। इस क्रम मेंप्रदेश में में सेमीकंडक्टर फैक्ट्री भारत को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रही है, वहीं मेरठ मेट्रो और नमो भारत रेल तेज, स्मार्ट कनेक्टिविटी प्रदान कर रही हैं। इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ गाजियाबाद के लोग त्विरत गति से एक स्थान से दूसरे स्थान तक जा सकेंगे। जेवर हवाईअड्डा पूरे उत्तर भारत को दुनिया से जोड़ रहा है। यहां से हर 2 मिनट में विमान उड़ान भरेंगे। एयर पोर्ट की एक पट्टी पर विमान उड़ने के साथ साथ उतर भी सकेंगे। यह सुविधा भारत के केवल दो एयरपोर्ट मुंबई और नोएडा में मौजूद होगा जो प्रदेश के लिए गौरव की बात है।

वैश्विक संकट और ऊर्जा संरक्षण

संयुक्त राष्ट्र की 'एनर्जी प्रोग्रेस रिपोर्ट 2024' के अनुसार आने वाले दशक में वैश्विक ऊर्जा मांग में लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है जबकि जीवाश्म ईंधनों के भंडार तेजी से सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में यदि ऊर्जा संरक्षण और दक्षता को प्राथमिकता नहीं दी गई तो भविष्य में ऊर्जा संकट केवल आर्थिक चुनौती नहीं रहेगा बल्कि सामाजिक अस्थिरता और वैश्विक संघर्षों का कारण भी बन सकता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य इस खतरे को और स्पष्ट करता है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव ने तेल आपूर्ति पर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर हो रही हैं। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। दरअसल भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में वैश्विक संकट का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। पैट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि केवल परिवहन लागत को नहीं बढ़ाती बल्कि खाद्य पदार्थों से लेकर निर्माण सामग्री तक हर क्षेत्र में महंगाई को जन्म देती है।

योगेश कुमार गोयल

आज समूचा विश्व भू-राजनीतिक तनाव के दौर से गुजर रहा है। ईरान, अमेरिका तथा इजराइल के बीच के टकराव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है। इसलिए ऊर्जा केवल विकास का साधन नहीं बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन चुकी है। तेल और गैस के दामों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति शृंखलाओं में व्यवधान और ऊर्जा स्त्रोतों पर बढ़ती निर्भरता ने पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि क्या आधुनिक सभ्यता ने अपनी बुनियाद अत्यधिक अस्थिर संसाधनों पर खड़ी कर दी है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं बल्कि मानवता की सुरक्षा का सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी उपाय बनकर उभर रहा है। ऊर्जा आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग है, चाहे वह उद्योगों की मशीनें हों, परिवहन के साधन हों, डिजिटल अर्थव्यवस्था हो या घरेलू जीवन की सुविधाएं किंतु विडंबना यह है कि जिस ऊर्जा पर हमारी प्रगति आधारित है, वही अब संकट का कारण बनती जा रही है।

संयुक्त राष्ट्र की 'एनर्जी प्रोग्रेस रिपोर्ट 2024' के अनुसार आने वाले दशक में वैश्विक ऊर्जा मांग में लगभग 25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है जबकि जीवाश्म ईंधनों के भंडार तेजी से सीमित होते जा रहे हैं। ऐसे में यदि ऊर्जा संरक्षण और दक्षता को प्राथमिकता नहीं दी गई तो भविष्य में ऊर्जा संकट केवल आर्थिक चुनौती नहीं रहेगा बल्कि सामाजिक अस्थिरता और वैश्विक संघर्षों का कारण भी बन सकता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य इस खतरे को और स्पष्ट करता है। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव ने तेल आपूर्ति पर अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर हो रही हैं। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। दरअसल भारत अपनी कुल तेल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में वैश्विक संकट का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। पैट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि केवल परिवहन लागत को नहीं बढ़ाती बल्कि खाद्य पदार्थों से लेकर निर्माण सामग्री तक हर क्षेत्र में महंगाई को जन्म देती है। इस परिप्रेक्ष्य में ऊर्जा संरक्षण राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण आधार बन जाता है। भारत तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था है और यहां ऊर्जा की मांग निरंतर बढ़ रही है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की 'इंडिया एनर्जी आउटलुक 2024' रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी ऊर्जा उपभोक्ता अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ऐसे में यदि ऊर्जा खपत को संतुलित नहीं किया गया तो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाएगा। यही कारण है कि भारत ने ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को अपनी नीति का केंद्रीय तत्व बनाया है। ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा लागू ऊर्जा संरक्षण अधिनियम और 'उजाला' जैसे कार्यक्रमों ने यह साबित किया है कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिणाम दे सकते हैं। 36 करोड़ से अधिक एलईडी बल्बों का वितरण और उससे हुई 48 बिलियन यूनिट बिजली की बचत इस बात का प्रमाण है कि यदि नीति और जनभागीदारी साथ आएं तो ऊर्जा संरक्षण एक जनांदोलन बन सकता है।

ऊर्जा संरक्षण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह किसी नई तकनीक या बड़े निवेश पर निर्भर नहीं है बल्कि यह हमारे दैनिक व्यवहार में छोटे-छोटे बदलावों से ही संभव है। उदाहरण के लिए, अनावश्यक रूप से जलती लाइटों को बंद करना, ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग करना, एयर कंडीशनर का सीमित प्रयोग, सार्वजनिक परिवहन को अपनाना और सौर ऊर्जा जैसे विकल्पों को बढ़ावा देना, ये सभी कदम न केवल ऊर्जा बचाते हैं बल्कि पर्यावरण को भी सुरक्षित रखते हैं। यदि भारत का प्रत्येक परिवार प्रतिदिन केवल एक यूनिट बिजली की बचत करे तो यह देश के लिए ऊर्जा क्रांति के समान होगा। ऊर्जा संरक्षण का संबंध केवल बिजली तक सीमित नहीं है बल्कि यह जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। ऊर्जा उत्पादन में जल का व्यापक उपयोग होता है और जल की बरबादी सीधे ऊर्जा की बर्बादी में बदल जाती है। इसी प्रकार, ऊर्जा के अत्यधिक उपयोग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान वृद्धि का मुख्य कारण है। आज जब दुनिया 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है, तब ऊर्जा संरक्षण इस दिशा में सबसे प्रभावी हथियार साबित हो सकता है।

अक्षय ऊर्जा इस संकट का दीर्घकालिक समाधान प्रस्तुत करती है लेकिन इसकी सफलता भी ऊर्जा संरक्षण पर ही निर्भर करती है। सौर, पवन और जैव ऊर्जा जैसे स्त्रोतों का विस्तार तभी प्रभावी होगा, जब ऊर्जा की कुल मांग को नियंत्रित किया जाए। भारत ने 2030 तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य निर्धारित किया है, जो न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है बल्कि वैश्विक जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और स्मार्ट ग्रिड जैसी तकनीकें इस दिशा में नई संभावनाएं खोल रही हैं लेकिन इन सबका मूल आधार ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग ही है। शहरीकरण के बढ़ते दबाव ने भी ऊर्जा खपत को तेजी से बढ़ाया है। महानगरों में ऊंची इमारतें, एयर कंडीशनिंग सिस्टम और बढ़ती वाहन संख्या ऊर्जा की मांग को कई गुना बढ़ा देती है। ऐसे में हरित भवन निर्माण, सौर पैनलों का उपयोग और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना आवश्यक हो जाता है। यदि भवन निर्माण में ऊर्जा दक्षता को प्राथमिकता दी जाए तो बिजली की खपत में 30 से 40 प्रतिशत तक कमी लाई जा सकती है। यह न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी होगा बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। ऊर्जा संरक्षण का एक महत्वपूर्ण आयाम औद्योगिक क्षेत्र भी है। उद्योगों में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने से उत्पादन लागत में कमी आती है और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि ऊर्जा संरक्षण को केवल सरकारी नीति या अभियान के रूप में न देखा जाए बल्कि इसे एक सामाजिक संस्कृति के रूप में विकसित किया जाए। विद्यालयों में ऊर्जा शिक्षा को अनिवार्य बनाया जाए, मीडिया के माध्यम से जनजागरुकता बढ़ाई जाए और प्रत्येक नागरिक को यह समझाया जाए कि ऊर्जा की बचत केवल व्यक्तिगत लाभ नहीं बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य है। जब तक ऊर्जा संरक्षण हमारी आदत नहीं बनेगा, तब तक किसी भी नीति या तकनीक का पूर्ण लाभ नहीं मिल सकेगा।

वैश्विक ऊर्जा संकट के इस दौर में भारत के पास एक अवसर भी है, एक ऐसे मॉडल के रूप में उभरने का, जो विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित कर सके। यदि भारत ऊर्जा संरक्षण, अक्षय ऊर्जा और तकनीकी नवाचार के समन्वय से आगे बढ़ता है तो वह न केवल अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है बल्कि विश्व के लिए एक प्रेरणा भी बन सकता है। यह समझना आवश्यक है कि ऊर्जा का संकट केवल संसाधनों का संकट नहीं है बल्कि यह हमारी सोच और व्यवहार का संकट भी है। यदि हम ऊर्जा को अनमोल संसाधन मानकर उसका विवेकपूर्ण उपयोग करना सीख लें तो न केवल वर्तमान संकट से उबर सकते हैं बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध दुनिया भी सुनिश्चित कर सकते हैं। ऊर्जा संरक्षण कोई जटिल विज्ञान नहीं बल्कि एक सरल जीवनशैली है और यही जीवनशैली आज धरती को बचाने की सबसे प्रभावी चाबी बन चुकी है।

साहित्यिक आयोजनों में जुगलबंदी का जाल

- डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय साहित्यिक परिदृश्य सदैव से विविधता, विचारशीलता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रतीक रहा है। यह वह क्षेत्र है जहाँ शब्द केवल रचना नहीं होते, बल्कि समाज के अनुभव, संघर्ष, संवेदनाएँ और परिवर्तन की आकांक्षाएँ भी अभिव्यक्त करते हैं। परंतु वर्तमान समय में साहित्यिक आयोजनों—विशेषकर सरकारी अकादमियों, संस्थानों, फाउंडेशनों और मंत्रालयों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों—को लेकर एक गंभीर प्रश्न खड़ा हो रहा है: क्या ये मंच वास्तव में प्रतिभा और सृजनशीलता के आधार पर संचालित हो रहे हैं, या फिर 'जुगलबंदी' और 'नेटवर्किंग' ही इनके वास्तविक निर्धारक बन चुके हैं?

आज यह धारणा तेजी से मजबूत हो रही है कि इन आयोजनों में भागीदारी का अवसर उन्हीं लोगों को मिलता है, जिनकी आयोजकों, चयनकर्ताओं या संबंधित पदाधिकारियों से निकटता होती है। यह निकटता कई रूपों में सामने आती है—व्यक्तिगत संबंध, वैचारिक समानता, संस्थागत जुड़ाव या वर्षों से बनी आपसी 'समझदारी'। परिणामस्वरूप, एक सीमित समूह बार-बार मंचों पर दिखाई देता है, जबकि बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली और समर्पित रचनाकार अवसरों से वंचित रह जाते हैं। यह स्थिति केवल एक प्रशासनिक विसंगति नहीं, बल्कि साहित्य के मूल स्वभाव के विपरीत है। साहित्य का उद्देश्य ही है—समाज के विविध अनुभवों को स्थान देना, नए स्वरों को पहचानना और अभिव्यक्ति के नए आयामों को प्रोत्साहित करना। जब मंच सीमित लोगों तक सिमट जाते हैं, तो साहित्य की यह व्यापकता संकुचित होने लगती है। यह एक प्रकार का 'सांस्कृतिक केंद्रीकरण' है, जहाँ अवसर और मान्यता कुछ हाथों में केंद्रित हो जाते हैं।

नई पीढ़ी के लेखकों और रचनाकारों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से निराशाजनक है। आज का युवा लेखक अपनी रचनात्मकता के बल पर आगे बढ़ना चाहता है, लेकिन जब उसे यह महसूस होता है कि मंच तक पहुँचने के लिए 'सही लोगों' से संपर्क होना अधिक आवश्यक है, तो उसका उत्साह क्षीण होने लगता है। यह न केवल उसकी व्यक्तिगत यात्रा को प्रभावित करता है, बल्कि साहित्यिक परंपरा की निरंतरता को भी बाधित करता है।

इसके अतिरिक्त, यह प्रवृत्ति साहित्यिक विमर्श की गुणवत्ता को भी प्रभावित करती है। जब एक ही समूह के लोग बार-बार मंचों पर उपस्थित होते हैं, तो विचारों में विविधता घट जाती है। नए दृष्टिकोण, नए अनुभव और नई भाषिक शैलियाँ सामने नहीं आ पातीं। परिणामस्वरूप, साहित्य में एक प्रकार का ठहराव आ जाता है और वह समाज के बदलते स्वरूप को पूर्णतः प्रतिबिंबित नहीं कर पाता। यह समस्या केवल साहित्य तक सीमित नहीं है; कला, संस्कृति और शिक्षा जैसे अन्य क्षेत्रों में भी 'नेटवर्किंग' और 'जुगलबंदी' की यह प्रवृत्ति दिखाई देती है। परंतु साहित्य जैसे संवेदनशील और वैचारिक क्षेत्र में इसका प्रभाव अधिक गहरा होता है, क्योंकि यहाँ केवल अवसर ही नहीं, बल्कि विचारों की दिशा भी प्रभावित होती है।

हालाँकि, यह कहना भी एकतरफा होगा कि सभी संस्थान और आयोजन इसी प्रवृत्ति से ग्रस्त हैं। कई ऐसे उदाहरण भी हैं, जहाँ आयोजकों ने पारदर्शिता और निष्पक्षता को प्राथमिकता दी है। खुले आमंत्रण (ओपन कॉल), स्पष्ट चयन प्रक्रिया और नए रचनाकारों को मंच देने की पहल—ये सभी सकारात्मक संकेत हैं। लेकिन ऐसे प्रयास अभी भी व्यापक प्रवृत्ति का रूप नहीं ले सके हैं। समाधान की दिशा में सबसे पहला और आवश्यक कदम है—पारदर्शिता। आयोजनों में भागीदारी के लिए स्पष्ट और सार्वजनिक मानदंड निर्धारित किए जाने चाहिए। चयन प्रक्रिया में विविधता सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि किसी एक समूह या विचारधारा का वर्चस्व स्थापित न हो। निर्णायक मंडल में विभिन्न पृष्ठभूमियों के विशेषज्ञों को शामिल करना इस दिशा में एक प्रभावी कदम हो सकता है। इसके साथ ही, नए और उभरते रचनाकारों के लिए विशेष मंच तैयार किए जाने चाहिए। 'ओपन कॉल' के माध्यम से आवेदन आमंत्रित करना, लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन करना और डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करना—ये सभी उपाय अवसरों को अधिक समावेशी बना सकते हैं। तकनीक ने भौगोलिक सीमाओं को काफी हद तक समाप्त कर दिया है; अब आवश्यकता है कि इसका उपयोग साहित्यिक लोकतंत्र को सशक्त बनाने में किया जाए।

साहित्यिक समुदाय की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। केवल आयोजकों पर प्रश्न उठाना पर्याप्त नहीं है; रचनाकारों, आलोचकों और पाठकों को भी इस विषय पर सजग और सक्रिय होना होगा। मौन स्वीकृति किसी भी व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाती है, जबकि सजग संवाद परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करता है। मीडिया और सामाजिक मंच भी इस संदर्भ में अहम भूमिका निभा सकते हैं। यदि इन मुद्दों को व्यापक स्तर पर उठाया जाए, तो संस्थानों पर सकारात्मक दबाव बनेगा। साथ ही, निष्पक्ष और पारदर्शी आयोजनों के उदाहरणों को सामने लाना भी आवश्यक है, ताकि एक स्वस्थ और प्रेरणादायक मॉडल विकसित हो सके। अंततः, यह समझना आवश्यक है कि साहित्य केवल कुछ लोगों का मंच नहीं है; यह समाज की सामूहिक चेतना का दर्पण है। यदि इस दर्पण पर 'जुगलबंदी' की परत चढ़ जाएगी, तो प्रतिबिंब भी विकृत दिखाई देगा। साहित्य की आत्मा उसकी स्वतंत्रता, विविधता और निष्पक्षता में निहित है। समय की माँग है कि हम इस प्रवृत्ति को पहचानें, उस पर खुलकर चर्चा करें और सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाएँ। यदि हम आज सजग नहीं हुए, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें इस असंतुलन के लिए उत्तरदायी ठहराएँगी। इसलिए अब आवश्यक है कि साहित्यिक आयोजनों को 'अपनों के उत्सव' की सीमाओं से निकालकर 'सार्वजनिक मंच' बनाया जाए—जहाँ हर प्रतिभा को समान अवसर मिले, हर स्वर को अभिव्यक्ति का अधिकार हो, और साहित्य अपनी वास्तविक गरिमा के साथ समाज का मार्गदर्शन कर सके।

शिव ने बनाया जीवन को मधुमय

सामाजिक क्षेत्र में मनुष्य के बीच जो व्यवधान था, उसे समाप्त कर मानवता के कल्याण के लिए शिव हमेशा प्रयत्नशील रहे। कोमलता व कठोरता के प्रतीक शिव ने मनुष्य को जो सबसे बड़ी वस्तु दी है, वह है धर्मबोध। इस कारण शिव ने मनुष्य को अंतर जगत में ईश्वर की प्राप्ति का रास्ता दिखाया। वह रास्ता परम शांति का रास्ता है। शिव के इसी पथ को शैव धर्म कह कर पुकारा जाता है। शिव ने देखा था कि उस ऋग्वेदीय युग में छंद थे, किन्तु राग-रागिनियों की उत्पत्ति नहीं हुई थी। केवल छंदों के रहने से ही तो गाना नहीं गाया जा सकता। यानी उस काल में मनुष्य छंद के साथ परिचित था, किन्तु सात स्वरों से उसका परिचय नहीं हुआ था। इसलिए भगवान शिव ने सात जंतुओं की ध्वनि को केंद्र बना कर सुरसप्तक का आविष्कार किया, जिसने छंदों को ज्यादा मधुर व सरल बनाया। इस तरह सुरसप्तक का आविष्कार कर शिव ने जीवन को और भी मधुमय बना दिया था। यह कम गौरव की बात नहीं है। केवल गीत या संगीत को ही शिव ने नियमबद्ध बनाया हो, ऐसी बात नहीं है। ध्वनि विज्ञान के विविध रूपों से भी परिचय उन्होंने ही कराया। ध्वनि विज्ञान, स्वर विज्ञान पर निर्भर है।. मनुष्य के श्वास-प्रश्वास पर निर्भर है। उसी आधार पर शिव ने छंदमय जगत को मुद्रामय बना दिया था। छंद के साथ उन्होंने नृत्य की संगति बैठाई और उसके साथ मुद्रा का योग कर दिया। एक-एक मुद्रा मनुष्य की ग्रंथियों (ग्लैंड्स) को एक-एक प्रकार से प्रभावित करेगी तथा दर्शक व श्रोता का मन भी उससे प्रभावित होगा। ढाक पर लकड़ी का ठोका पड़ने से ही वह वाद्य नहीं कहा जा सकता, वहां भी छंद एवं सुरसप्तक की संयोजना की आवश्यकता है। वह छंद और मुद्रा के साथ संगति रख कर ही बजेगा। नृत्य, गीत और वाद्य का आविष्कार करने के बाद शिव रुक नहीं गए। शिव ने अपने ज्ञान को फैलाया। इससे पहले मनुष्य समाज में विवाह-प्रथा नहीं थी। किंतु शिव ने विवाह-व्यवस्था दी, जिसका अर्थ है-अपने को एक विशेष नियम के अनुसार चलाना। उसका नाम है शैव विवाह। शैव विवाह में पात्र-पात्री पूरा दायित्व लेकर ही विवाह करेंगे और उसमें जाति-कुल को लेकर कोई विचार नहीं किया जायेगा। शिव इतने पर भी नहीं रुके। उन्होंने योग तंत्र के व्यावहारिक पक्ष को भी नियमबद्ध किया।

आज का इतिहास

1807 - जर्मनी के खगोलविद् विल्हेम ओल्बर्स ने क्षुद्रग्रह वेस्ता खोजा। इसे आसमान का सबसे चमकदार छोटा तारा कहा गया।

1849 -महाराजा दिलीप सिंह ने अपने दिवंगत पिता रणजीत सिंह का सिंहासन छोड़ दिया और पंजाब पर ईस्ट इंडिया कंपनी का कब्जा हो गया।

1857 - सिपाही मंगल पांडे (34 वीं रेजीमेंट), भारत में ब्रिटिश शासन के खिलाफ बंगाल नेटिव इन्फैंट्री विद्रोहों और लंबे समय से चल रहे 1857 के सिपाही स्वतंत्रता संग्राम में स्वतंत्रता सेनानी के रूप में जाने गये।

1859 - बहादुर शाह जफर द्वितीय को 1857 की क्रांति में भागीदारी का दोषी पाया गया और अंग्रेज सरकार ने उन्हें देश निकाला देकर रंगून भेज दिया।

1953 - हिलैरी तथा तेनजिंग नोर्गे द्वारा विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट पर विजय।

1954 - राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय (नेशनल गैलरी आफ मॉडर्न आर्ट) का दिल्ली में शुभारंभ।

1982 - तेलुगु देशम पार्टी (भारत क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टी) एन.टी. रामाराव द्वारा स्थापित करी गयी।

1999 - पराग्वे के राष्ट्रपति रॉल क्यूबास का इस्तीफा।

1999 - उत्तर प्रदेश के कुमायूं और चमोली (अब उत्तराखंड) में आधी रात के ठीक बाद आए 6.8 तीव्रता के भूकंप में 100 से ज्यादा लोगों की मौत।

2001 - संयुक्त राज्य अमेरिका का ग्लोबल वार्मिंग पर क्योटो संधि को मानने से इंकार।

2002 - दिल्ली और बीजिंग के बीच सीधी वाणिज्यिक उड़ान सेवा फिर से शुरू।

2003 - तुर्की एयरलाइंस विमान के अपहर्त्ताओं ने आत्मसमर्पण किया।

2008 - उज्जैन के संस्कृत विद्वान् प्रो. श्रीनिवास रथ को उत्तर प्रदेश संस्कृति पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की गई।

2008 - 1971 बैच की आईएएस अधिकारी और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्य सचिव नीरा यादव ने राज्य सरकार की सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली।

2008 - इराक में अमेरिकी बम विस्फोट में 48 लोगों की मृत्यु।

फुलवारी में पलता बचपन

बाबा मायाराम

फुलवारी की सब्जी बाड़ी से कई फायदे सामने आ रहे हैं। एक दो बच्चों के पोषण आहार में हरी ताजी सब्जियां शामिल हुई हैं। दूसरी रासायनिक खेती की जगह जैविक तरीके से सब्जियां उगाई जा रही हैं, जो मिट्टी पानी व पर्यावरण के संरक्षण के लिए जरूरी हैं। लुप्त होते देसी बीजों से सब्जियों उगाई जा रही हैं, जिससे देसी बीजों का संरक्षण व संवर्धन हो रहा है। गांवों में सब्जी बाड़ी की परंपरा को फिर से पुनर्जीवित किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में जन स्वास्थ्य के काम की देश-दुनिया में काफी चर्चा है। यह पहल बिलासपुर के पास गनियारी में चल रही है। करीब ढाई दशक से चलने वाली इस पहल को देखने-समझने में मैं लम्बे अरसे से जाता रहा हूं। यहां न केवल मरीजों का सबसे अच्छा व कम कीमत में इलाज होता है, बल्कि रोगों की रोकथाम के लिए कोशिश भी होती है।

इसके लिए प्राकृतिक खेती से लेकर पशु स्वास्थ्य का प्रेरणादायक काम हो रहा है, साथ ही महिला समूहों के साथ मिलकर आजीविका व आमदनी बढ़ाने की कोशिशें भी जारी हैं। फिलहाल में यहां छोटे बच्चों के लिए फुलवारी नामक एक कार्यक्रम के बारे में बताना चाहूंगा, जो बहुत ही अनूठा है। जिसमें गांव के छोटे बच्चों के लिए एक झूलाघर की तरह उन बच्चों की देखभाल की जाती है। फुलवारी एक तरह का झूलाघर है, जिसे बिलासपुर जिले में कार्यरत जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था संचालित करती है। यह संस्था करीब ढाई दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत है। संस्था का गनियारी स्थित अस्पताल है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में तीन स्वास्थ्य उपकेन्द्र हैं। इसके साथ ही 6 माह से 3 वर्ष तक के बच्चों के लिए गांवों में फुलवारी केन्द्र चलाए जा रहे हैं।

बिलासपुर जिला बहुत पिछड़ा और गरीब माना जाता है। यहां के लोग पलायन कर दूर-दूर तक काम करने के लिए जाते रहे हैं। बिलासपुरिया नाम से मशहूर इन लोगों को कड़ी मेहनत के बावजूद भी दो वक्त की रोटी नसीब नहीं होती। ऐसे कठिन समय में बच्चों की उचित देखभाल और आहार के प्रति ध्यान देना मुश्किल है। फुलवारी (झूलाघर) में सब्जी बाड़ी में इससे मदद मिल रही है।

फुलवारी का शाब्दिक अर्थ भी फूलों की बगिया होता है। इन फुलवारी केन्द्रों में इस अवधि में स्वादिष्ट, गरम पतले और मुलायम भोजन के साथ बच्चों का खास ध्यान रखने की भी जरूरत होती है। इस सबके मद्देनजर जन स्वास्थ्य सहयोग ने वर्ष 2006 से फुलवारी नामक कार्यक्रम चलाया है जिसमें गांव के 6 माह से लेकर 3 साल तक के बच्चों को रखा जाता है। जहां उन्हें पका पकाया खाना खिलाया जाता है। एक फुलवारी में 10 बच्चों के लिए एक महिला कार्यकर्ता होती है और 10 से ज्यादा बच्चें हुए तो दो महिला कार्यकर्ताओं की नियुक्ति होती है। अब इन्ही कार्यकर्ताओं के द्वारा सब्जी बाड़ी कार्यक्रम चलाया जा रहा है। करहीकछार की महिला कार्यकर्ताओं ने बताया कि फुलवारी में सब्जी बाड़ी (किचिन गार्डन) लगाई है। जिसमें पालक भाजी, लाल भाजी, मुगलानी भाजी, मैंथी, धनिया, भटा, टमाटर और मिर्ची लगी है। हरी भाजियों को दाल-चावल की खिचड़ी के साथ पकाकर बच्चों को खिलाते हैं। इसे पोषण आहार में शामिल किया जाता है।

उन्होंने बताया कि अब गांव पहले भी बाड़ी की परंपरा थी, जिसमें कई कारणों से कमी आ रही थी, लेकिन अब नियमित रूप लोगों ने बाड़ी पर ध्यान देना शुरू किया है। उन्होंने खुद उनके घर में सब्जी बाड़ी लगाई थी। जिन्हें बेचकर अच्छी आमदनी भी हुई।

उनकी सब्जी बाड़ी में बोहार भाजी, कांदा भाजी, जाल भाजी, पालक भाजी, कांदा भाजी लगी थी। वैसे भी छत्तीसगढ़ में हरी भाजियों की बहुतायत होती है। यहां जंगल व गांव के आसपास भी कई प्रकार की हरी पत्तीदार भाजियां मिलती हैं। इसके साथ, उनकी बाड़ी में आलू, प्याज, तिवड़ा और बटरा भी था। इसके अलावा, उन्होंने बाड़ी में फलदार पेड़ भी लगाए हैं- जैसे अमरूद, अनार, आम, केला, नींबू, पपीता, नारियल, कटहल इत्यादि।

उन्होंने बताया कि वे देसी बीजों से सब्जी उत्पादन करते हैं। अपनी फसलों से खुद बीज बचाकर रखते हैं और उगाते हैं। इसके साथ ही पूरी तरह जैविक तरीके से सब्जी खेती करते हैं। इसमें किसी भी प्रकार का रासायनिक खाद व जहरीले कीटनाशकों का उपयोग नहीं करते हैं। गाय के गोबर खाद को डालते हैं। और कीट लगने पर राख व पके हुए चावल के पानी का छिड़काव करते हैं। संस्था ने लघु गोबर गैस प्लांट को भी प्रोत्साहित किया है। शुरूआत में संस्था के परिसर व बम्हनी नामक गांव में इस प्लांट को लगाया है। इसमें संस्था के परिसर का प्लांट मैंने देखा था। इस प्लांट में मवेशिय़ों के गोबर से उपयोग से रसोई गैस चलती है। इससे जो जैव खाद बनती है, उसे वे किचिन गार्डन व खेतों में उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए इस्तेमाल करते हैं। इस प्लांट की लागत भी 7-8 हजार रूपए है, इसे सरलता से बनाया जा सकता है। इसके अलावा, पशु स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए भी संस्था की तरफ से विशेष प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे गोबर खाद भी मिलती है। और इसे किचिन गार्डन में इस्तेमाल किया जाता है।

जन स्वास्थ्य सहयोग के कार्यकर्ता प्रकाशमनी मानिकपुरी बताते हैं कि बाड़ी की शुरूआत पहले हाथ धोनेवाले बेकार पानी से सब्जियां व फूल लगाने से हुई थी। लेकिन इसकी उपयोगिता व महिलाओं की रूचि देखकर कार्यक्रम का यह हिस्सा बना लिया गया। अब जन स्वास्थ्य सहयोग की फुलवारियों में सब्जी बाड़ी की जा रही है। यह फुलवारी तीन स्वास्थ्य केन्द्रों सेमरिया, शिवतराई और बम्हनी के गांवों में हैं और सभी बिलासपुर जिले के अंतर्गत हैं। इसके अलावा, फुलवारी कार्यकर्ता भी उनके घर में सब्जी बाड़ी लगाती हैं, जिससे उन्हें हरी ताजी सब्जियां मिलती हैं और बाजार से सब्जियों को खरीदना भी नहीं पड़ता। सब्जियों में लगने वाले खर्च की बचत भी हो जाती है। इलाके के महिला स्वयं सहायता समूह भी यह पहल से जुड़ गए हैं। जन स्वास्थ्य सहयोग से जुड़े रवि कुरबडे व प्रकाश मनी मानिकपुरी ने बताया कि संस्था की तरफ से सब्जी बीज भी वितरित किए जाते हैं, और सब्जी लगाने के तौर-तरीके बताए जाते हैं। संस्था खुद अपने गनियारी स्थित परिसर में जैविक तरीके के धान व पौष्टिक अनाजों की खेती करती है। यहां के बीज बैंक में धान की कई किस्में व देशी अनाजों की किस्में संग्रहित हैं। संस्था का मानना है कि बीमारी के इलाज के साथ उससे बचाव भी जरूरी है। भोजन में पोषक आहारों को शामिल करने से कुछ हद तक बीमारी से बचा जा सकता है।

कुल मिलाकर, फुलवारी की सब्जी बाड़ी से कई फायदे सामने आ रहे हैं। एक दो बच्चों के पोषण आहार में हरी ताजी सब्जियां शामिल हुई हैं। दूसरी रासायनिक खेती की जगह जैविक तरीके से सब्जियां उगाई जा रही हैं, जो मिट्टी पानी व पर्यावरण के संरक्षण के लिए जरूरी हैं। लुप्त होते देसी बीजों से सब्जियों उगाई जा रही हैं, जिससे देसी बीजों का संरक्षण व संवर्धन हो रहा है। गांवों में सब्जी बाड़ी की परंपरा को फिर से पुनर्जीवित किया जा रहा है। महिला समूहों से यह कार्यक्रम जुड़ा है, इस कारण यह महिला सशक्तीकरण का भी अच्छा उदाहरण है। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ की खान-पान की संस्कृति से जुड़ता है। इससे गांवों में लुप्त होती अच्छी परंपरा को पुनर्जीवित किया जा रहा है। कुल मिलाकर, यह पहल सराहनीय होने के साथ अनुकरणीय भी है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

बंगाल चुनाव 2026: भाजपा का15 साल के शासन पर पेश किया आरोप पत्र

सहानुभूति की राजनीति कर रही हैं ममता: शाह

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में पिछले 15 वर्षों से भय, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति चल रही है और आने वाला चुनाव यह तय करेगा कि बंगाल की जनता भय को चुनेगी या भरोसे को। इसके साथ ही अमित शाह ने तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ एक विस्तृत आरोप पत्र भी जारी किया। उन्होंने कहा कि, यह किसी एक दल का दस्तावेज नहीं बल्कि बंगाल की जनता की आवाज है, जिसे उनकी पार्टी सामने ला रही है। उन्होंने कहा कि यह आरोप पत्र राज्य सरकार के 15 वर्षों के काले कारनामों का संकलन है। अपने संबोधन में अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर सहानुभूति की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह हमेशा खुद को पीड़ित दिखाने की कोशिश करती हैं। उन्होंने कहा कि कभी चोट लगने का मामला सामने आता है, कभी सिर पर पट्टी बांधकर सहानुभूति लेने की कोशिश होती है, कभी बीमारी का हवाला दिया जाता है और कभी चुनाव कराने वाली संवैधानिक संस्था पर आरोप लगाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि जनता अब इन बातों को समझ चुकी है। उन्होंने कहा कि बंगाल का यह चुनाव केवल सरकार बदलने का चुनाव नहीं बल्कि राज्य को भय के माहौल से मुक्त कराने का चुनाव है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में आम लोगों को जान-माल की सुरक्षा को लेकर डर रहता है, संपत्ति लूटे जाने का भय बना रहता है, महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता रहती है और युवाओं को अपने भविष्य को लेकर अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है।

अमित शाह ने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य में संगठित वसूली तंत्र खड़ा कर दिया गया है और भ्रष्टाचार व्यवस्था का हिस्सा बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऊपर से नीचे तक आपराधिक गिरोह सक्रिय हैं और आम लोगों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि विकास के अभाव में बंगाल उद्योगों के लिए कब्रगाह बन गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य में अवैध घुसपैठ एक गंभीर समस्या बन चुकी है और इसे राजनीतिक संरक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों से हो रही घुसपैठ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी चिंता का विषय है। उनका कहना था कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अमित शाह ने यह भी दावा किया कि उनकी पार्टी का जनाधार लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले चुनावों के आंकड़े बताते हैं कि भाजपा का मत प्रतिशत और सीटों की संख्या लगातार बढ़ी है और अब पार्टी राज्य में एक मजबूत राजनीतिक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुकी है। केंद्रीय गृह मंत्री ने अपने संबोधन में पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बढ़ते जनाधार का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी को 17 प्रतिशत मत प्राप्त हुए थे और केवल 2 सीटें मिली थीं, जबकि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में पार्टी का मत प्रतिशत बढ़कर 41 प्रतिशत हो गया और सीटों की संख्या बढ़कर 18 तक पहुंच गई। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भी पार्टी को 39 प्रतिशत मत प्राप्त हुए और 12 सीटें हासिल हुईं। उन्होंने विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2016 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को केवल 10 प्रतिशत मत मिले थे और पार्टी को 3 सीटों से संतोष करना पड़ा था, लेकिन वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में पार्टी का मत प्रतिशत बढ़कर 38 प्रतिशत हो गया और पार्टी ने 77 सीटें जीतकर मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

अमित शाह ने दावा किया कि इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल में लगातार अपना जनाधार मजबूत किया है और अब करीब 40 प्रतिशत मतों के साथ पार्टी राज्य में एक मजबूत राजनीतिक शक्ति बन चुकी है। उन्होंने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने चुनाव से पहले पूरे राज्य का दौरा कर अव्यवस्था, आर्थिक बदहाली और घुसपैठ जैसे मुद्दों को जनता के बीच उठाया है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने राज्य की चुनाव व्यवस्था पर भी सवाल उठाए और कहा कि बंगाल में चुनाव के दौरान हालात ऐसे रहे कि उच्चतम न्यायालय को न्यायिक अधिकारियों की तैनाती तक करनी पड़ी, जबकि अन्य राज्यों में ऐसी स्थिति नहीं बनी। उन्होंने इसे राज्य प्रशासन की विफलता बताया। उन्होंने यह भी कहा कि जहां उनकी पार्टी की दोहरी इंजन वाली सरकार है, वहां विकास कार्य तेजी से हुए हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, असम, त्रिपुरा और ओडिशा का उदाहरण देते हुए कहा कि इन राज्यों में विकास, कानून व्यवस्था और आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। अंत में अमित शाह ने कहा कि बंगाल की जनता को यह तय करना है कि वह भय, भ्रष्टाचार और हिंसा की राजनीति को जारी रखना चाहती है या शांति, विकास और विश्वास के रास्ते पर आगे बढ़ना चाहती है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार जनता उनकी पार्टी को स्पष्ट बहुमत देगी।

उपराष्ट्रपति ने बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि, वंशजों से की मुलाकात

खूंटी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन शनिवार को झारखंड के खूंटी जिले स्थित भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातु पहुंचे। उनके साथ झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार भी मौजूद रहे।

उपराष्ट्रपति और राज्यपाल ने उलिहातु पहुंचकर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने बिरसा मुंडा के वंशजों से मुलाकात की और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। यह कार्यक्रम श्रद्धा और सम्मान के माहौल में आयोजित किया गया। अपने दौरे के दौरान उपराष्ट्रपति ने वहां उपस्थित बच्चों से संवाद भी किया। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने, अपने लक्ष्य निर्धारित करने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उपराष्ट्रपति बिरसा कॉम्प्लेक्स पहुंचे, जहां उन्होंने पुनः बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। यहां उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और हालात के बारे में जानकारी ली।

इससे पहले उपराष्ट्रपति के आगमन पर हेलीपैड पर जिला प्रशासन द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने राज्यपाल के साथ मिलकर उपराष्ट्रपति का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में उपायुक्त आर. रॉनिटा और पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो सहित कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, उपराष्ट्रपति के सचिव अमित खरे समेत कई गणमान्य अतिथि भी कार्यक्रम में शामिल हुए। उपराष्ट्रपति के इस दौरे को आदिवासी गौरव और स्वतंत्रता संग्राम के महानायक बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ उनके विचारों और योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

रसोई गैस की जमाखोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें अधिकारी : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे रसोई गैस और पेट्रोलियम उत्पादों के भंडारण व वितरण व्यवस्था की लगातार निगरानी सुनिश्चित करें तथा जमाखोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। स

ाय ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि हर नागरिक तक जरूरी सेवाओं की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने लोगों से चिंता नहीं करने की अपील की। समीक्षा बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के सभी संभागीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस आयुक्त रायपुर, सभी कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक शामिल हुए। साय ने 'एक्स' पर कहा कि पश्चिम एशिया की परिस्थितियों के मद्देनजर आज (शनिवार को) निवास कार्यालय में प्रदेश के उच्च अधिकारियों, आयुक्त, आईजी एवं जिला कलेक्टरों के साथ पेट्रोलियम उत्पादों, एलपीजी और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता व आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में आवश्यक वस्तुओं, पेट्रोलियम उत्पादों और रसोई गैस की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। आपूर्ति पूरी तरह सुचारु एवं सामान्य है और इसमें किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। साय ने कहा कि अधिकारियों को रसोई गैस व पेट्रोलियम उत्पादों के स्टॉक एवं सप्लाई की सतत निगरानी और जमाखोरी व मुनाफाखोरी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

दिल्ली में 16वें भारत प्रोबायोटिक संगोष्ठी का समापन

नई दिल्ली। दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के जेएलएन सभागार में आयोजित दो दिवसीय 16वें भारत प्रोबायोटिक संगोष्ठी का शनिवार को समापन हो गया। गट माइक्रोबायोटा एंड प्रोबायोटिक साइंस फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस संगोष्ठी का मुख्य विषय 'आंत माइक्रोबायोम और प्रोबायोटिक्सः जन्म से लेकर शतायु व्यक्तियों तक प्रभाव' रहा। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में नीति आयोग के सदस्य राजीव गौबा ने निवारक स्वास्थ्य देखभाल में आंत (गट) के सूक्ष्मजीवों की निर्णायक भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने देश में खान-पान की आदतों में आ रहे तीव्र बदलावों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म और विज्ञापनों के कारण अति-प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की खपत बढ़ी है, जो पारंपरिक पोषक आहार को पीछे छोड़ रही है। देश में बीमारियों का लगभग 56.4 प्रतिशत भार अस्वास्थ्यकर और असंतुलित आहार के कारण है। यदि इन प्रवृत्तियों को नहीं रोका गया तो इसके सूक्ष्मजैविक परिणाम भविष्य में बेहद गंभीर हो सकते हैं। स्वास्थ्य को आर्थिक प्रगति से जोड़ते हुए गौबा ने कहा कि भारत का जनसांख्यिकीय लाभांश तभी सफल होगा जब कार्यबल स्वस्थ हो। आयुष्मान भारत और पीएम-जेएवाई जैसी योजनाओं से स्वास्थ्य पर होने वाला निजी खर्च 62.6 प्रतिशत से घटकर 39.4 प्रतिशत पर आ गया है जिससे आम परिवारों को 1.25 लाख करोड़ रुपये की बचत हुई है।

दिल्ली में आज 'टेली-लॉ' राष्ट्रीय परामर्श का आयोजन, उपराष्ट्रपति होंगे मुख्य अतिथि

नई दिल्ली। विधि एवं न्याय मंत्रालय रविवार को विज्ञान भवन में टेली-लॉ पहल के तहत एक भव्य राष्ट्रीय परामर्श का आयोजन करेगा। इसका मुख्य उद्देश्य प्रौद्योगिकी के माध्यम से कानूनी सेवाओं को सुदृढ़ करना और अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना है।

मंत्रालय के मुताबिक इस राष्ट्रीय परामर्श के मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन होंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल के साथ अन्य गणमान्य जन मौजूद रहेंगे। यह परामर्श 'दिशा' योजना के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है, जिसमें डिजिटल सशक्तीकरण के कई नए आयाम पेश किए जाएंगे। इस दौरान 'न्याय सेतु' नामक एआई-पावर्ड चैटबॉट और इसके मैस्कॉट का अनावरण होगा। यह नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों को समझने और विवाद समाधान तंत्र तक पहुंचने में एक डिजिटल पुल के रूप में मदद करेगा।

वर्ष 2025-26 के लिए एक विशेष पुस्तिका 'लाभार्थियों की आवाज' पुस्तिका 2025-26 का लोकार्पण किया जाएगा, जिसमें टेली-लॉ सेवाओं से लाभान्वित हुए लोगों की प्रेरक कहानियां संकलित हैं। दिल्ली राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) के सहयोग से विकसित कॉमिक पुस्तकों की शृंखला जारी की जाएगी, जो युवाओं और ग्रामीण आबादी के लिए जटिल कानूनी अवधारणाओं को सरल बनाएगी।

राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में स्थानीय कलाकारों द्वारा एक विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जाएगी। परामर्श के दौरान देशभर के टेली-लॉ पैनल वकीलों और ग्राम स्तरीय उद्यमियों के साथ लाइव बातचीत की जाएगी। साथ ही दिल्ली के प्रमुख विधि महाविद्यालयों द्वारा दी जा रही निःशुल्क कानूनी सेवाओं पर भी एक विशेष खंड आयोजित होगा। विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं के सुझावों पर आधारित एक श्वेत पत्र भी प्रकाशित किया जाएगा, जो भविष्य की कानूनी नीतियों के लिए रोडमैप तैयार करेगा।

इस आयोजन में उच्चतम न्यायालय ई-कमेटी नालसा, बार एसोसिएशन के सदस्यों और विधि संस्थानों के छात्रों सहित लगभग 1200 प्रतिभागी भौतिक रूप से शामिल होंगे जबकि देशभर से हजारों हितधारक ऑनलाइन माध्यम से जुड़ेंगे। यह राष्ट्रीय परामर्श न्याय व्यवस्था में व्याप्त असमानता को दूर करने और प्रौद्योगिकी के माध्यम से 'सबके लिए न्याय' के संकल्प को सिद्ध करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

मटियारी वार्ड 11 में भीषण आग से तीन परिवारों के घर जलकर राख

सुपौल। जिले के छातापुर प्रखंड क्षेत्र के बलुआ पंचायत अंतर्गत मटियारी वार्ड संख्या 11 में शुक्रवार की शाम भीषण अगलगी की घटना में तीन परिवारों के घर जलकर पूरी तरह राख हो गए। आग की इस घटना में घरों में रखा अनाज, कपड़ा, बर्तन, जेवरात और नगद समेत लगभग तीन लाख रुपये से अधिक की संपत्ति का नुकसान होने का अनुमान है। जानकारी के अनुसार शाम के समय अचानक एक घर से आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर आसपास के दो अन्य घरों को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग की तेज लपटों से इलाके में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

हरियाणा में पैट्रोल, डीज़ल और रसोई गैस की कोई कमी नहीं : सैनी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के लोगों को आश्वस्त किया कि मध्य -एशिया में बने हालातों के मद्देनजर राज्य में पेट्रोल, डीज़ल और रसोई गैस की कोई कमी नहीं है, उनको घबराने की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने स्वयं इस संबंध में पेट्रोलियम कंपनियों के साथ बैठक की है। प्रदेश में पेट्रोल, डीजल व गैस की आपूर्ति की स्थिति इस समय भी वैसी ही है, जैसी चार महीने पहले थी। वर्तमान में पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। मुख्यमंत्री शनिवार को हरियाणा निवास में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि ऑयल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा टर्मिनल संचालन बढ़ाया गया है। डिस्पैच तेज किए गए हैं, फील्ड अधिकारियों की तैनाती की गई है और सुबह के समय सप्लाई को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे स्थिति सामान्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नायब सिंह सैनी ने बताया कि वर्तमान में कुल एक लाख 73 हजार कमर्शियल सिलेंडर का स्टॉक उपलब्ध है।

केंद्र सरकार द्वारा कमर्शियल एल.पी.जी. के क्षेत्र में 70 प्रतिशत आवंटन ढांचा बनाया गया है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में घरेलू एलपीजी की देश में की जा रही प्रोडक्शन को 40 प्रतिशत से बढ़ा दिया है, ताकि आयात पर निर्भरता कम हो जाए।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में, हरियाणा में पीएनजी गैस पाइपलाइन बिछाने पर तीन लाख रुपये प्रति किलोमीटर का लीज रेंट 10 साल के लिए अग्रिम लिया जाता है। सरकार ने इसे एक हजार रुपये प्रति किलोमीटर एकमुश्त करने का निर्णय लिया है। इससे गैस कंपनियों और आम जनता को भी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि राज्य में इस समय 28 हजार 377 किलोमीटर लंबी पीएनजी पाइपलाइन बिछी हुई है।

भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए चुनाव आयोग कर रहा है अधिकारियों का तबादला : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और निर्वाचन आयोग पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के तबादले चुनाव को प्रभावित करने की साजिश का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि यह कदम भाजपा को विधानसभा चुनाव में फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

पश्चिम बर्धमान जिले के रानीगंज में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा अब सभी सीमाएं पार कर चुकी है और राजनीति में एक मर्यादा रेखा होनी चाहिए, जिसे पार नहीं किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में अधिकारियों का तबादला कर उन्हें दूसरे राज्यों में भेज दिया गया, जबकि जो अधिकारी स्थानीय परिस्थितियों को अच्छी तरह समझते थे, उन्हें हटाकर प्रशासन को कमजोर किया गया। उन्होंने कहा कि यह सब राज्य में बाहरी प्रभाव बढ़ाने और चुनाव के दौरान हालात को प्रभावित करने के लिए किया गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची से नाम हटाने के नाम पर भी गड़बड़ी की जा रही है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश हो रही है। ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद जिले के रघुनाथगंज में राम नवमी शोभायात्रा के दौरान हुई हिंसा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस समय प्रशासन उनके नियंत्रण में नहीं है क्योंकि चुनाव प्रक्रिया के दौरान प्रशासनिक व्यवस्था चुनाव कराने वाली संस्था के अधीन रहती है। उन्होंने कहा कि रघुनाथगंज में दुकानों में लूटपाट और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं हुईं, लेकिन इसके लिए उन्हें दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए क्योंकि वर्तमान में प्रशासनिक नियंत्रण उनके पास नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि हिंसा भड़काने वालों को समय आने पर बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि अगर भाजपा सत्ता में आती है तो बुलडोजर की राजनीति शुरू हो जाएगी और लोगों को उनके घरों से बेदखल किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि बेहाला क्षेत्र में भी इसी तरह की कार्रवाई हुई है। ममता बनर्जी ने प्रभावित लोगों से माफी मांगते हुए कहा कि राज्य सरकार उनकी दुकानों और संपत्तियों का पुनर्निर्माण कराएगी। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि जो दल तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाता है, वही अवैध कोयला कारोबार से धन जुटाता है। उन्होंने भाजपा पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। ममता बनर्जी ने अपने संबोधन में कहा कि पश्चिम बंगाल की पहचान सामाजिक सौहार्द और सांप्रदायिक एकता की रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में सभी धर्मों के लोग एक साथ राम नवमी, दुर्गा पूजा, ईद और क्रिसमस जैसे त्योहार मनाते हैं और यही बंगाल की असली ताकत है।

मुख्यमंत्री ने रानीगंज के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों के लिए पुनर्वास पैकेज की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि मानव जीवन सबसे महत्वपूर्ण है और सरकार नहीं चाहती कि कोई भी व्यक्ति खतरे वाले क्षेत्रों में रहे। उन्होंने घोषणा की कि जो लोग सुरक्षित स्थान पर जाना चाहेंगे, उन्हें 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और दो आवास दिए जाएंगे।

'मैं और मेरा' की भावना ही युद्धों का मूल कारण:मोहन भागवत

बेलगावी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया में होने वाले अधिकांश युद्धों की जड़ 'मैं और मेरा' की भावना है। उन्होंने यह बात कर्नाटक के बेलगावी जिले के चिक्कोडी तालुका के यडूर गांव में आयोजित एक युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही।

इस दौरान मोहन भागवत ने वैश्विक हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि ईरान-इजराइल संघर्ष लंबे समय तक चल सकता है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष रूस-यूक्रेन युद्ध जितना पुराना नहीं है, लेकिन इसके दीर्घकालिक होने के संकेत दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व की समस्याओं का समाधान "मानव धर्म" और हिंदू धर्म के मूल्यों में निहित है। भारत सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने की दिशा में कार्य कर रहा है और वैश्विक शांति का संदेश दे रहा है। हिंदू समाज की विविधता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि पूजा-पद्धति, खान-पान और परंपराओं में भिन्नता होने के बावजूद समाज प्राचीन काल से एकजुट रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हिंदू समाज में किसी को जबरन धर्म परिवर्तन कराने की कोई परंपरा नहीं रही है। कार्यक्रम का आयोजन यडूर स्थित श्री काडदेवर मठ में किया गया, जहां श्रीशैल जगद्गुरु चन्नरामसिद्ध श्री के नेतृत्व में गौ-तुलाभार संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मोहन भागवत ने गौ-पूजा कर गायों को चारा भी खिलाया। युवा सम्मेलन में बड़ी संख्या में युवा और स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बारिश और ओलावृष्टि से फसल नुकसान की राहत 24 घंटें में किसानों को पहुंचाए अधिकारी : प्रमुख सचिव राजस्व

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बेमौसम बारिश से प्रभावित किसानों और परिवारों को राहत राशि का वितरण सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख सचिव राजस्व अपर्णा यू ने शनिवार को निर्देश दिए है। उन्होंने अपने निर्देश कहा कि प्रभावित जनपदों के जिलाधिकारी बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि, आकाशीय बिजली व आंधी-तूफान के कारण हुए फसल क्षति का आकलन कराते हुए 24 घंटे के अंदर प्रभावित किसानों को राहत राशि का वितरण करना सुनिश्चित करें। प्रमुख सचिव राजस्व ने शनिवार को लाल बहादुर शास्त्री भवन स्थिति सभागार में बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि, आकाशीय बिजली व आंधी-तूफान से हुए फसल क्षति, जनहानि, मकान क्षति, पशुहानि इत्यादि पर दिये गये राहत राशि वितरण की समीक्षा की।

उन्होंने समस्त जिलाधिकारियों, समस्त अपर जिलाधिकारी राजस्व सहित राजस्व व राहत कार्मिकों को संवेदनशीलता के साथ प्राथमिकता पर राहत कार्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा जनहित के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। समस्त जिलाधिकारियों को प्रभावित परिवारों से व्यक्तिगत संवाद स्थापित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राहत राशि निर्गत किये जाने के लिए शासन में बजट की कोई कमी नहीं है। राहत आयुक्त कार्यालय ने 15 मार्च 2026 से अब तक 20 करोड़ रुपये की राहत धनराशि जनपदों को निर्गत की है। अगर किसी जनपद में बजट की कोई कमी हो तो वे तत्काल इसकी मांग राहत आयुक्त कार्यालय से कर लें। प्रमुख सचिव राजस्व ने जिलाधिकारियों को प्रत्येक प्रभावित परिवारों के मध्य राहत राशि का वितरण सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने राहत राशि वितरण कार्यों में शिथिलता बरतने पर लापरवाह कार्मिक के खिलाफ तत्काल कड़ी कार्यवाही करने का निर्देश दिया।

उन्होंने जनसामान्य से अपील किया कि राहत राशि प्राप्त करने में कठिनाई होने पर राहत आयुक्त कार्यालय में संचालित टोल फ्री नम्बर पर 1070 पर शिकायत दर्ज करायें। उन्होंने बताया कि भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, 31 मार्च तक विभिन्न जनपदों में बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि, आकाशीय बिजली व आंधी-तूफान आने की चेतावनी जारी की गयी है। ऐसी स्थिति में जनसामान्य सतर्क रहते हुए सावधानी पूर्वक अपने कार्यों को करें। उन्होंने समस्त जिलाधिकारियों को अपने-अपने जनपदों में जनसामान्य के मध्य खराब मौसम से संबंधित सूचनाओं को विभिन्न माध्यमों से प्रसारित कराने का निर्देश दिया।

उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारियों से प्राप्त सूचना के अनुसार, 15 मार्च से 28 मार्च तक बेमौसम बारिश में कुल 17 जनहानि, 11 पशुहानि तथा सहारनपुर एवं ललितपुर में 1661.75 हेक्टेयर फसल क्षति हुयी है। प्रमुख सचिव राजस्व ने बताया कि राहत आयुक्त कार्यालय ने रेड एलर्ट, ऑरेंज एलर्ट तथा यलो एलर्ट जनपदों में खराब मौसम संबंधी सूचनाओं को सचेत एप के माध्यम से लगभग 13 करोड़ मैसेज भेजकर जनसामान्य को जागरूक किया है।

शादी से मना करने पर युवक ने जहर खा कर दी जान

फर्रुखाबाद। कायमगंज कोतवाली क्षेत्र में मंगेतर के शादी करने से मना करने पर एक युवक ने शनिवार को जहर खा कर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नरसिंहपुर निवासी बसंत लाल गंगवार के 26 वर्षीय बेटे हरिओम ने शनिवार दोपहर के समय घर में ही जहर खा लिया। परिजन हरिओम को उपचार के लिए सीएचसी कायमगंज ले गए। हालत गंभीर होने के कारण वहां से हरिओम को लोहिया अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। लोहिया अस्पताल में इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। सीओ राजेश द्विवेदी ने बताया कि परिवार से पूछताछ में पता चला है कि हरिओम का कोतवाली फतेहगढ़ क्षेत्र में विवाह तय हुआ था। जब मंगेतर को पता चला कि हरिओम कोई काम न करके नशा करता है तो उसने शादी करने से साफ मना कर दिया। शादी टूट जाने के गम में हरिओम काफी आहत हो गया और उसने जहर खाकर जान दे दी है। वह अपने घर का इकलौता लड़का था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच कर रही है।

भारत और नेपाल के बीच रिश्तों को मजबूत करेगा खेल महोत्सव

बहराइच। शहर के किसान डिग्री कॉलेज स्थित खेल मैदान में रविवार से आयोजित खेल महोत्सव में भारत और नेपाल के खिलाड़ी शामिल होंगे। दोनों देश के बीच क्रीड़ा भारती और सीमा जागरण मंच की ओर से शुरू होने वाली खेल प्रतियोगिता से रिश्ते मजबूत होंगे। यह बातें शनिवार को आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में मुख्य अतिथि सुरेश प्रताप सिंह ने कही।

उन्होंने कहा कि खेल महोत्सव से भारत और नेपाल के मध्य रिश्तों में मजबूती तो आएगी ही। साथ ही युवाओं को प्रतिभा निखारने में एक उचित स्थान मिलेगा। किसान डिग्री कॉलेज के सचिव मेजर डॉक्टर एसपी सिंह ने कहा कि भारत और नेपाल के बीच रोटी-बेटी का रिश्ता है, जो काफी समय से चला आ रहा है, लेकिन ऐसे आयोजनों से और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि दोनों देश के बीच हुए तनाव को कम करने के लिए ऐसे आयोजन जरूरी है। साथ ही सीमावर्ती गांवों के लोगों को भी इन आयोजन में प्रतिभाग का मौका मिलेगा।

इसकी शुरुआत रविवार को क्रॉस कंट्री दौड़ से होगी। नेपाल के लोगों को सीमा क्षेत्र की चार टीम, नेपाल की चार टीम रहेगी। इस दौरान अमरनाथ प्रान्त संगठन मंत्री सीमा जागरण मंच,जिला संयोजक किसान मोर्चा सत्य प्रकाश सिंह सत्या, सभासद आशीष सिंह,देवेंद्र सिंह, डिम्पल जैन,आदित्य चंद मिश्र,डिंकु सिंह रैकवार क्रीड़ा भारती अध्यक्ष अटल सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ में लगी आग, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

अयोध्या। जिले में रामनगरी के राजघाट के निकट हो रहे श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ स्थल में शनिवार को अज्ञात कारणों से आग लग गई। घटना की जानकारी पर पहुंची फायर बिग्रेड की टीम ने आग पर काबू पाया। जिलाधिकारी और एसएसपी ने भी मौके का निरीक्षण किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा. गौरव ग्रोवर ने बताया कि श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ श्रीजीयर स्वामी के द्वारा कराया जा रहा है। महायज्ञ का संयोजन उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह कर रहे हैं। अज्ञात कारणों से यज्ञशाला में भीषण आग लग गई। आग लगने के बाद फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया। यज्ञशाला की आग गौशाला तक जा पहुंची थी। महायज्ञ की आज सुबह पूर्णाहुति कर दिया गया है। आग के समय यज्ञशाला में लोग मौजूद नहीं थे।

छह अप्रैल को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले की अगली सुनवाई

सुलतानपुर। जिले की एक विशेष अदालत में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ जारी एक मानहानि मामले की शनिवार को सुनवाई हुई। सांसद-विधायक (एमपी-एमएलए) अदालत में सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता के वकील ने राहुल गांधी की आवाज का नमूना लेने का निर्देश देने का अनुरोध किया।

वादी के अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि शनिवार को अदालत में राहुल गांधी की आवाज के नमूने की जांच के लिए अनुरोध किया गया। उन्होंने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 311 सहपठित धारा 91 के तहत एक अर्जी दी है। अर्जी में राहुल गांधी की आवाज का नमूना लेने का अनुरोध किया गया, जिसे पहले से दाखिल की गई सीडी के साथ विधि विज्ञान प्रयोगशाला (फोरेंसिक लैब) में मिलान कराने का अनुरोध किया गया। अधिवक्ता पांडेय ने बताया कि वह अगली सुनवाई पर बचाव पक्ष की आपत्ति को लेकर बहस करेंगे। राहुल गांधी के वकीलों ने इस अनुरोध पर आपत्ति दर्ज कराई, जिसके बाद मामले की अगली सुनवाई छह अप्रैल के लिए निर्धारित कर दी गयी। भाजपा नेता विजय मिश्रा ने यह मुकदमा अक्टूबर 2018 में दर्ज कराया था, जिसके बाद राहुल गांधी ने 20 फरवरी 2024 को अदालत में आत्मसमर्पण किया था हालांकि विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दे दी थी।

विधान परिषद की वित्तीय समिति का निर्देश, एलपीजी की कालाबाजारी पर लगे रोक

बलिया। विधान परिषद की वित्तीय एवं प्रशासकीय विलंब समिति की महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को विकास भवन सभागार में सभापति डॉ. रतन पाल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें वैश्विक संकट के बीच एलपीजी गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने और इसकी कालाबाजारी पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए। विधान परिषद सदस्यों ने जिले में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं और प्रशासनिक मामलों की गहन समीक्षा के दौरान बैठक में जिले के सभी निजी अस्पतालों की जांच कर कार्रवाई कराने को भी कहा।

चालू वित्तीय वर्ष में संचालित सरकारी योजनाओं की विभागवार प्रगति का आकलन करते हुए गत वर्ष दिसंबर तक स्वीकृत बजट, खर्च की स्थिति और विभागों को अपेक्षित धनराशि न मिलने पर उनके प्रयासों की जानकारी ली गई। जनवरी 2022 से दिसंबर 2025 के बीच सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन, ग्रेच्युटी और अन्य देयों के भुगतान की स्थिति पर सवाल उठाए गए। लंबित पदोन्नति, चयन वेतनमान, मृतक आश्रित नियुक्ति और लंबित प्रकरणों का ब्यौरा भी प्रस्तुत किया गया। किसानों के मुआवजे, विशेषकर भूमि अधिग्रहण के बाद लंबित भुगतान, तथा वृद्धावस्था और विधवा पेंशन के वर्षों से लंबित मामलों पर भी गंभीरता से विचार किया गया। सभापति डॉ. रतन पाल सिंह ने स्वयं सहायता समूहों के मानदेय की मॉनिटरिंग पर जोर

देते हुए 940 ग्राम पंचायतों की नियमित समीक्षा के निर्देश दिए। साथ ही बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश जिलाधिकारी को दिए। स्वास्थ्य विभाग को पीएचसी और सीएचसी के निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। साथ ही सभी सीएचसी व पीएचसी पर बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। निजी एंबुलेंस द्वारा मनमानी वसूली की शिकायतों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। विद्युत विभाग को 2017 से अब तक प्राप्त प्रस्तावों और उनके निस्तारण की जानकारी जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराने तथा लटके तारों को शीघ्र दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने डीपीआरओ को निर्देश दिए कि 940 ग्राम पंचायत में से 910 ग्राम पंचायत सचिवालय पूर्ण कर लिया गया है।

शेष ग्राम पंचायत सचिवालय निर्माण हेतु प्रपोजल बनाकर शासन को भेजा जा चुका है। उन्होंने सभी ग्राम पंचायतों में विद्युत कनेक्शन की जांच कर आवश्यकतानुसार कनेक्शन उपलब्ध कराने को कहा। जल जीवन मिशन के तहत वर्षों से अधूरी पड़ी पानी टंकियों को चालू कराने और आवश्यक स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में एमएलसी विजय बहादुर पाठक, रविशंकर उर्फ पप्पू, आशुतोष सिन्हा, जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह, पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह, सीडीओ ओजस्वी राज व सीआरओ त्रिभुवन आदि उपस्थित रहे।

दिनदहाड़े युवक की हत्या, आरोपित गिरफ्तार

बाराबंकी। जिले के टिकैतनगर थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर को एक युवक की हत्या कर दी गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि मृतक की पहचान पारा बेहटा गांव निवासी 21 वर्षीय बबलू के रूप में हुई है। वह आइसक्रीम बेचने का काम करता था। शनिवार को परसावाल गांव के पास बबलू का स्थानीय निवासी शंकर से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। शंकर ने गुस्से में आकर बबलू पर धारदार हथियार से हमलाकर उसका सिर धड़ से अलग कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल की जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि आरोपित शंकर को गिरफ्तार कर लिया गया, जिससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

800 बीघा जमीन पर यूपी और हरियाणा के किसानों में विवाद

बागपत। जिले के पाली गांव में करीब 800 बीघा जमीन को लेकर उत्तर प्रदेश और हरियाणा के किसानों व राजस्व विभाग के बीच विवाद गहरा गया है। शनिवार को पाली गांव के किसानों ने कलक्ट्रेट पहुंचकर हरियाणा के राजस्व विभाग की टीम के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की। प्रदर्शन कर रहे किसानों ने शिकायती पत्र दिया है जिसमें कहा गया है कि संबंधित जमीन उनकी पुश्तैनी कृषि भूमि है, जिस पर वे लंबे समय से खेती करते आ रहे हैं।

किसान नेताओं राकेश आर्य, गजेंद्र, राम भजन, प्रताप, महेश पाल और प्रेमपाल सिंह ने आरोप लगाया कि हरियाणा के अधिकारी और वहां के कुछ किसान इस जमीन को पंचायती भूमि बताकर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी जमीन पर किसी प्रकार का अतिक्रमण किया गया तो वे बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कराकर उनकी जमीन की पैमाइश कराई जाए और बाहरी हस्तक्षेप को रोका जाए। जिलाधिकारी बागपत अस्मिता लाल ने मामले को दोनों राज्यों के राजस्व विभाग के बीच समन्वय स्थापित कर समाधान निकालने की बात कही है। विवाद को लेकर क्षेत्र के किसानों में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

हिंदूवादी नेताओं पर हो रहे हमलों के विरोध में शिवसेना का प्रदर्शन

मुरादाबाद। शिवसेना एकनाथ शिंदे गुट ने हिंदूवादी नेताओं पर हो रहे हमलों व गौ तस्करी के खिलाफ शनिवार को कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन भेजा है। मंडल प्रमुख गुड्डू सैनी व जिला प्रमुख नन्हे चौधरी ने विस्तार से बताया कि पार्टी ने मांग की है कि धाय को राष्ट्र माता घोषित किया जाए और गौ हत्या को संगीन अपराध घोषित किया जाए। हिंदूवादी नेताओं को सुरक्षा प्रदान की जाए और मारे गए नेताओं के परिजनों को आर्थिक मदद दी जाए। उन्होंने कहा कि गौ तस्करी रोकने के लिए वेतनभोगी गौरक्षकों की टीम गठित की जाए। पार्टी ने कहा कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गई तो वे आम जनमानस को जन आंदोलन के जरिए इस मांग को व्यापक स्तर पर उठाने के लिए बाध्य होंगे। प्रदर्शन करने वालों मे राज्य सचिव रामप्रसाद प्रजापति, मंडल प्रमुख गुड्डू सैनी, जिला प्रमुख नन्हे चौधरी, बाबा कुशाल सिंह राज्य प्रचारक, युवा जिला प्रमुख राकेश प्रजापति जिला उप प्रमुख, इंद्रजीत सिंह, मुकेश कुमार, नारायण दास, इंद्रपाल, नवीन कुमार, मुकेश दिवाकर जिला उप प्रमुख, ओम प्रकाश सैनी, राजेश कुमार आदि मौजूद रहे।

संस्कृति विवि के छात्रों ने 'आहार 2026' मेले में सीखीं वैश्विक पाक कला की बारीकियां

मथुरा। छात्रों को विश्व स्तरीय औद्योगिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद में संस्कृति विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म विभाग की ओर से दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित 'आहार 2026' खाद्य और आतिथ्य मेले का एक विशेष शैक्षणिक दौरा शनिवार को किया गया।

मेले में संस्कृति विवि के विद्यार्थियों ने पाक कला और आतिथ्य के अंतरराष्ट्रीय मानकों को बारीकी से अध्ययन किया और प्रत्यक्ष सीखने का अनुभव लिया। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य छात्रों को पाक कला और आतिथ्य प्रबंधन की तेजी से बदलती दुनिया से रूबरू कराना था। आहार 2026, जो खाद्य और आतिथ्य क्षेत्र के

सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में से एक है, इन भावी होटल प्रबंधकों के लिए एक बेहतरीन सीखने का मंच साबित हुआ।

मेले के दौरान विद्यार्थियों ने अभिनव पाक कला के अंतर्गत पारंपरिक स्वादों और आधुनिक प्रस्तुतीकरण तकनीकों के संगम को समझा। वैश्विक स्तर पर व्यावसायिक रसोई में उपयोग की जाने वाली नवीनतम मशीनों का अवलोकन किया और साथ ही सेवा, स्वच्छता और अतिथि अनुभव के नए मानकों को सीखा। यह पूरा भ्रमण विभाग के विभागाध्यक्ष रतीश शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष रतीश शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण छात्रों के समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बताया कि उद्योग के विशेषज्ञों को कार्य करते हुए देखने से छात्रों को अपने भविष्य के करियर की स्पष्ट तस्वीर मिलती है।

विभाग की सहायक प्रोफेसर और कार्यक्रम समन्वयक शुभांगी सक्सेना और विभाग के सदस्य व सह-समन्वयक गगन शर्मा के नेतृत्व में कुल 30 छात्र-छात्राओं का यह दल आहार मेले में पहुंचा। शुभांगी सक्सेना ने छात्रों को विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पवेलियन का भ्रमण कराया और उन्हें खाद्य प्रसंस्करण और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की बारीकियों के बारे में शिक्षित किया। भ्रमण का समापन एक संवाद सत्र के साथ हुआ जहाँ छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए।

दो दिवसीय ग्लोबल एआई कॉन्फ्लुएंस 2026 का समापन, 26 देशों के छात्रों की सहभागिता

गोरखपुर। विश्व छात्र एवं युवा संगठन (डब्ल्यूओएसवाई), मेटा एवं दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हो रहे दो दिवसीय 'ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कॉन्फ्लुएंस 2026' का समापन शनिवार को गुरु गोरक्षनाथ शोध पीठ के सभागार में हुआ जिसमें भारत के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत विदेशी मूल के 180 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में नेपाल के नव निर्वाचित सांसद संदीप राणा, अभाविप के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री बालकृष्ण,डब्ल्यूओएसवाई के चेयरपर्सन नितिन शर्मा, और डब्ल्यूओएसवाई के महामंत्री शुभम गोयल उपस्थित रहे।

विश्व छात्र एवं युवा संगठन के इस दो दिवसीय कार्यक्रम कुल छह सत्रों में विभाजित था जिसमें पहले दिन उद्घाटन सत्र के बाद एक और विशेष सत्र चला जिसमें विजन डिजिटल इंडिया के तत्वावधान में एआई स्टार्टअप विषय पर विशेष सत्र संचालित हुआ। दूसरे दिन कुल चार सत्र संचालित हुए जिसमें पहले सत्र में 'एक सुलभ भविष्य के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता' में देवरिया के सांसद शशांक मणि त्रिपाठी, आई.आई.आई.टी लखनऊ के डायरेक्टर डॉ.अरुण मोहन शेरी, इंटेल इंडिया में एआई के एसओसी लीड के डॉ. मनीष पांडेय, डिजिटल ओवल के संस्थापक मनु शर्मा,प्रो. विवेक मिश्रा की उपस्थिति रही। दूसरे सत्र 'एआई के युग में संस्कृति एवं शिक्षा' में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल्स, नोएडा के प्रो.नीलिमा मिश्रा, जेएनयू विश्वविद्यालय, व ट्रैवोन.एआई के संस्थापक राहुल पोद्दार की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। तीसरे सत्र में 'उद्यमिता एवं एआई' विषय पर प्रख्यात तकनीकी विशेषज्ञ एवं नीति निर्माता डॉ.ओमकार राय, स्कॉलर्स डेन के प्रबंध निदेशक विवेक ठाकुर, वॉक्सऑरा लैब्स, बेंगलुरु के संस्थापक प्रभाकर श्रीनिवासन की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस सत्र में एआई के सकारात्मकता के साथ नकारात्मकता पर गहन चर्चा हुई।जिसके पश्चात समापन सत्र आयोजित हुआ जिसमें नेपाल के नव निर्वाचित सांसद संदीप राणा, अभाविप के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री बालकृष्ण, डब्ल्यूओएसवाई के चेयरपर्सन डॉ. नितिन शर्मा व डब्ल्यूओएसवाई के राष्ट्रीय महामंत्री शुभम गोयल उपस्थित रहे। इसी के साथ 26 देशों से आए विद्यार्थियों ने अपने –अपने देशों की संस्कृति और सभ्यता का प्रदर्शन अपने यहां के लोक नृत्य के माध्यम दर्शाया। मोरक्को से आए हुए प्रतिभागियों ने अपना लोक नृत्य शिखात, बांग्लादेश से आए प्रतिभागियों ने नाग नृत्य प्रस्तुत किया। समापन समारोह में वर्चुअल माध्यम से नेपाल के नव निर्वाचित सांसद संदीप राणा ने कहा कि एआई कॉन्फ्लुएंस में सम्मिलित होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता वैश्विक प्रतिस्पर्धा, शिक्षा और उद्यमिता को नई दिशा दे रही है, जहां पहले सीमित संसाधन, भौगोलिक बाधाएं और पूंजी की कमी चुनौतियां थीं, वहीं आज डेटा, एल्गोरिद्म और डिजिटल प्लेटफॉर्म इन सीमाओं को समाप्त कर नवाचार के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं। परंतु इसके साथ ही भ्रामक जानकारी, डेटा गोपनीयता और रोजगार में परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौतियां भी सामने आई हैं, जिनसे निपटने के लिए हमें तकनीक का उपयोग जागरूकता, नैतिकता और आलोचनात्मक सोच के साथ करना होगा। युवा उद्यमियों और नेताओं को चाहिए कि वे एआई को मानव मूल्यों और सामाजिक न्याय के साथ जोड़ें, ताकि तकनीक मानवता की सेवा में सहायक बने।

नेपाल, अपनी प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत के लिए विश्व प्रसिद्ध है– काठमांडू और लुम्बिनी जैसे पवित्र स्थल इसकी पहचान हैं ,और मैं आप सभी को नेपाल आने के लिए सादर आमंत्रित करता हूँ। अंततः, एआई का भविष्य हमारे आज के निर्णयों पर निर्भर करता है, इसलिए आइए हम मिलकर एक जिम्मेदार और मानवीय तकनीकी युग का निर्माण करें। अभाविप के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री बालकृष्ण ने कहा कि आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) शिक्षा, शोध और नवाचार के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रही है, जिससे विद्यार्थियों को सीखने के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं और वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए अधिक सक्षम बन रहे हैं। श्री बालकृष्ण जी ने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे एआई का उपयोग जागरूकता, नैतिकता और आलोचनात्मक सोच के साथ करें तथा अपने ज्ञान, संस्कार और रचनात्मकता को सशक्त बनाएं। तकनीक हमारे लिए एक साधन है, न कि हमारा स्वामी, और आने वाला समय उन्हीं युवाओं का होगा जो तकनीक के साथ-साथ अपने मानवीय मूल्यों को भी बनाए रखेंगे।

विश्व छात्र एवं युवा संगठन के अध्यक्ष नितिन शर्मा ने कहा कि 'ग्लोबल एआई कॉन्फ्लुएंस 2026' जैसे मंच युवाओं को नवाचार, तकनीक और वैश्विक दृष्टिकोण से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज विश्व को नई दिशा दे रही है और ऐसे में विद्यार्थियों एवं युवा उद्यमियों के लिए यह आवश्यक है कि वे इस तकनीक को सीखें, समझें और समाजहित में उसका उपयोग करें। कार्यक्रम में अभाविप के क्षेत्रीय छात्रा कार्य प्रमुख प्रो सुषमा पाण्डेय, क्षेत्रीय संगठन मंत्री घनश्याम शाही, विश्व छात्र एवं युवा संगठन की राष्ट्रीय संयोजिका निखिता रेड्डी,अंतरराष्ट्रीय सचिव यशोराज पांडेय, अंतरराष्ट्रीय सचिव कुशल बोसामिया आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं को ले जा रहे पिकअप वाहन की ट्रेलर से टक्कर में मृतकों की संख्या बढ़कर 10 हुई

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में श्रद्धालुओं को ले जा रहे एक पिकअप वाहन की राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े एक ट्रेलर-ट्रक से टकराने की दुर्घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 10 हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को हुए हादसे में पांच महिलाओं और तीन बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार देर रात दो अन्य महिलाओं ने प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक, पिकअप में 28 लोग सवार थे, जिनमें से 10 लोगों की मौत के बाद 24 लोगों का इलाज जारी है। सिराथू के क्षेत्राधिकारी (सीओ) संतोष कुमार ने बताया कि सैनी थानाक्षेत्र के अटसराय गांव के पास शुक्रवार शाम को प्रयागराज से मुंडन करवा कर वापस फतेहपुर लौट रहे पिकअप की ट्रेलर से टकराने की दुर्घटना में पांच महिलाओं व तीन बच्चों सहित आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि हादसे में गंभीर रूप से घायलों को प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल भेज दिया गया था, जहां देर रात इलाज के दौरान मैकी (55) व सिंधी (58) की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि इन मौतों के साथ ही हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 10 हो गई। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद सभी मृतकों के शव, फतेहपुर जिले स्थित उनके गांव भेज दिये गये और गांव में स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

KKR की कमजोर दिख रही टीम के खिलाफ जीत का प्रबल दावेदार होगी मुंबई इंडियंस

मुंबई। खेल के सभी विभागों में मजबूत दिख रही मुंबई इंडियंस की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पांच साल के खिताब के सूखे को खत्म करने के लिए रविवार को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना करेगी, जिसकी टीम कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने से कमजोर नजर आ रही है। मुंबई इंडियंस ने 2013 से लेकर 2020 के बीच पांच बार खिताब जीता था लेकिन वह पिछले कुछ वर्षों से चैंपियन नहीं बन पाया है। इस बार उसकी निगाह अपना छठा खिताब जीतने पर होगी और इसके लिए वह शानदार शुरुआत करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

पिछले साल हार्दिक पंड्या की अगुवाई वाली टीम क्वालीफायर दो में पंजाब किंग्स से हारने के बाद तीसरे स्थान पर रही थी, लेकिन मुंबई इंडियंस इस बार अच्छी तैयारी के साथ मैदान पर उतर रहा है। रोहित शर्मा फॉर्म में वापसी करने के लिए उत्सुक होंगे। रोहित के अलावा उसकी टीम में कई स्टार खिलाड़ी हैं जिनमें भारत की टी20 विश्व कप विजेता टीम के खिलाड़ी कप्तान सूर्यकुमार यादव, पंड्या, तिलक वर्मा और जसप्रीत बुमराह भी शामिल हैं। मुंबई इंडियंस के पास कई शानदार विदेशी खिलाड़ी भी हैं, जिनमें रयान रिकेल्टन, शेरफेन रदरफोर्ड, कॉर्बिन बॉश, न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सेंटनर,

विल जैक्स, एएम ग़ज़नफ़र और ट्रेंट बोल्ट प्रमुख हैं। बुमराह और बोल्ट की जोड़ी खतरनाक साबित हो सकती है। शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर के रूप में मुंबई इंडियंस के पास दो अनुभवी भारतीय गेंदबाज हैं, जबकि नमन धीर एक बार फिर फिनिशर की भूमिका अच्छी तरह से निभाने की कोशिश करेंगे। पिछले साल उन्होंने अपनी इस भूमिका के साथ पूरा न्याय किया था। इसलिए मुंबई के लिए सबसे बड़ी चुनौती अंतिम एकादश में उचित संयोजन तैयार करना होगा।

उसकी टीम शुरुआत में कुछ मैच जीतने के लिए प्रतिबद्ध होगी क्योंकि अक्सर वह अच्छी शुरुआत करने में नाकाम रही है। मुंबई में खेलने के कारण कोलकाता नाइट राइडर्स में कप्तान अजिंक्य रहाणे और युवा अंगकृष रघुवंशी के रूप में कुछ स्थानीय खिलाड़ी भी नजर आएंगे लेकिन उसका गेंदबाजी आक्रमण कमजोर नजर आता है जिसका मुंबई इंडियंस पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगा। नीलामी के समय केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण अच्छा नजर आ रहा था लेकिन भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश पर फ्रेंचाइजी ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बाहर कर दिया था जबकि उसके दो भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप और हर्षित राणा चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। जिंबॉब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी प्रतिभाशाली हैं लेकिन उन पर दबाव हो सकता है। ऐसे में गेंदबाजी विभाग की बड़ी जिम्मेदारी वरुण चक्रवर्ती को निभानी पड़ेगी जो टी20 विश्व कप में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे।

केकेआर की टीम में सीएसके के दो पूर्व खिलाड़ी रचिन रविंद्र और मथीशा पथिराना भी शामिल हैं। टिम सीफर्ट विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर एकमात्र शुरुआती विकल्प हैं, जबकि उनके पास कैमरन ग्रीन और सुनील नारायण के रूप में दो बेहतरीन ऑलराउंडर भी मौजूद हैं।

टीम इस प्रकार हैं

- **मुंबई इंडियंसः** हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, अथर्व अंकोलेकर, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, मिशेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, तिलक वर्मा, अश्विनी कुमार, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, एएम गजनफर, मयंक मार्कंडेय, मोहम्मद इज़हार, रघु शर्मा।
- **कोलकाता नाइट राइडर्सः** अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह (उपकप्तान), फिन एलन, तेजस्वी दहिया (विकेटकीपर), मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, सार्थक रंजन, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), राहुल त्रिपाठी, दक्ष कामरा, कैमरन ग्रीन, सुनील नारायण, रचिन रवींद्र, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, सौरभ दुबे, कार्तिक त्यागी, ब्लेसिंग मुजरबानी, मथीशा पथिराना, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती।

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

नवनीत कौर ने प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड मिलने पर जताई खुशी, टीम को किया समर्पित

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की स्टार फॉरवर्ड नवनीत कौर ने हॉकी इंडिया आठवें वार्षिक अवॉर्ड्स 2025 में 'प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला)' का प्रतिष्ठित सम्मान मिलने पर खुशी जाहिर की। उन्हें यह सम्मान हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड के तहत प्रदान किया गया। नवनीत कौर के लिए बीता साल बेहद शानदार रहा, जहां उन्होंने भारतीय टीम के लिए लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया। हैदराबाद में आयोजित एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप क्वालीफायर में उन्होंने अहम भूमिका निभाते हुए भारत को रजत पदक दिलाने में योगदान दिया।

इस टूर्नामेंट में उन्होंने चार गोल किए और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' भी चुनी गईं। इसके अलावा महिला एशिया कप 2025 में भी नवनीत का प्रदर्शन दमदार रहा, जहां भारत ने रजत पदक जीता। इस प्रतियोगिता में उन्होंने छह गोल दागे। इसी दौरान उन्होंने अपने करियर का एक बड़ा मुकाम हासिल करते हुए 200 अंतरराष्ट्रीय मैच भी पूरे किए। पुरस्कार मिलने के बाद नवनीत कौर ने कहा, "इस सम्मान को पाकर मैं बेहद गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। यह उपलब्धि मेरी टीम के साथियों के सहयोग और विश्वास के बिना संभव नहीं थी। मैं हॉकी इंडिया का भी धन्यवाद करना चाहती हूं, जो हर साल

इस तरह का मंच उपलब्ध कराता है, जिससे खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलती है।" आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स को लेकर उन्होंने कहा, "आने वाला समय काफी व्यस्त रहने वाला है। नेशंस कप, वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स जैसे बड़े टूर्नामेंट हमारे सामने हैं। हमारा कैंप जल्द शुरू होगा और हम अपनी कमजोरियों पर काम कर टीम के प्रदर्शन को और बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे।"

अपने व्यक्तिगत लक्ष्य को लेकर नवनीत ने कहा, "मैं अपने खेल में लगातार सुधार करना चाहती हूं। अभी तक के प्रदर्शन से संतुष्ट हूं, लेकिन आगे और बेहतर करने की गुंजाइश है। बड़े टूर्नामेंट चार साल में एक बार आते हैं, इसलिए मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।" आगामी बड़े टूर्नामेंट्स को देखते हुए नवनीत कौर पूरी तरह फोकस्ड हैं और भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता दिलाने के लिए प्रतिबद्ध नजर आ रही हैं।

टाइगर वुड्स जमानत पर रिहा

जुपिटर आइलैंड (अमेरिका)। दिग्गज गोल्फर टाइगर वुड्स को नशे में गाड़ी चलाने के संदेह में गिरफ्तार किए जाने के कुछ घंटे बाद शुक्रवार देर रात जमानत पर रिहा कर दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वुड्स की लैंड रोवर एक ट्रक से टकराने के बाद पलट गई थी। मार्टिन काउंटी शेरिफ जॉन बुडेन्सिएक ने बताया कि वुड्स रिहायशी सड़क पर तेज रफ्तार से गाड़ी चला रहे थे और दुर्घटना के बाद उनमें नशे के लक्षण दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि जांचकर्ताओं का मानना है कि वुड्स ने किसी तरह की दवा या नशीले पदार्थ का सेवन किया था। उन्होंने बताया कि वुड्स काफी सुस्त लग रहे थे। वह नशे का पता लगाने के लिए सांस का टेस्ट करने के लिए सहमत हो गए थे जिसमें पता चला कि उन्होंने शराब नहीं पी थी, लेकिन उन्होंने मूत्र का परीक्षण कराने से इनकार कर दिया जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

मियामी ओपन 2026: सिनर ने ज्वेरेव को हराकर फाइनल में बनाई जगह, लेहेका से होगी भिड़ंत

मियामी। मियामी ओपन 2026 में दुनिया के नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी इटली के यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर फाइनल में जगह बना ली है। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना चेक गणराज्य के जिरी लेहेका से होगा। 24 वर्षीय सिनर ने सेमीफाइनल में ज्वेरेव को 6-3, 7-6 (7/4) से हराया। यह ज्वेरेव के खिलाफ उनकी लगातार सातवीं जीत रही।

इसके साथ ही सिनर ने मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार जीते गए सेट्स की संख्या 32 तक पहुंचा दी। विंबलडन चैंपियन सिनर इससे पहले इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में भी ज्वेरेव को हरा चुके हैं और अब वह तीन साल में अपना दूसरा मियामी

ओपन खिताब जीतने के करीब हैं। वह 2017 में रोजर फेडरर के बाद 'सनशाइन डबल' (इंडियन वेल्स और मियामी दोनों खिताब) हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं। दूसरी ओर, 21वीं वरीयता प्राप्त लेहेका ने फ्रांस के आर्थर फिल्स को एकतरफा मुकाबले में 6-2, 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। लेहेका ने पूरे टूर्नामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है और यह उनका पहला एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल होगा। हालांकि, लेहेका का रिकॉर्ड सिनर के खिलाफ अच्छा नहीं रहा है। दोनों के बीच अब तक खेले गए तीनों मुकाबलों में सिनर ने जीत दर्ज की है और लेहेका एक भी सेट नहीं जीत सके हैं। महिला वर्ग में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका भी 'सनशाइन डबल' पूरा करने की कोशिश में हैं। वह फाइनल में अमेरिका की कोको गॉफ के खिलाफ अपने खिताब का बचाव करेंगी।

लेहेका ने मैच के बाद कहा कि वह इस प्रदर्शन से बेहद खुश हैं और पूरे सीजन की मेहनत का नतीजा अब देखने को मिल रहा है। वह अपने करियर के तीसरे एटीपी खिताब की तलाश में हैं। यह फाइनल मुकाबला काफी रोमांचक होने की उम्मीद है, जहां अनुभवी और शानदार फॉर्म में चल रहे सिनर का सामना युवा और आत्मविश्वास से भरे लेहेका से होगा।

महेंद्र सिंह धोनी पिंडली में खिंचाव के कारण आईपीएल के पहले दो सप्ताह नहीं खेल पाएंगे

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी पिंडली की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले दो सप्ताह में नहीं खेल पाएंगे। फ्रेंचाइजी ने शनिवार को यह जानकारी दी। सीएसके ने बयान में कहा, "महेंद्र सिंह धोनी फिलहाल पिंडली की चोट से उबरने के लिए रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। इस कारण उनका आईपीएल 2026 के पहले दो सप्ताह में खेलने की संभावना नहीं है।"

धोनी ने 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से आईपीएल खेलना जारी रखा है। इस 44 वर्षीय खिलाड़ी के आईपीएल में भविष्य को लेकर प्रत्येक सत्र में कयास लगाए जाते हैं। धोनी अब सिर्फ आईपीएल में खेलते हैं इसलिए उनके लिए मैच फिटनेस बनाए रखना और भी मुश्किल हो जाता है। रुतुराज गायकवाड़ हालांकि टीम के कप्तान हैं, लेकिन टीम की रणनीति धोनी के इर्द-गिर्द ही घूमती है। वह आईपीएल की शुरुआत से ही इस टीम से जुड़े हुए हैं। धोनी ने पिछले आईपीएल में 14 मैच खेले थे और निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए फिनिशर की भूमिका निभाई थी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से उन्हें घुटने की समस्या से बार-बार जूझना पड़ा है और 2023 में उनकी सर्जरी भी हुई थी। सीएसके आईपीएल 2026 में अपने अभियान की शुरुआत 30 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ करेगा।

नोवाक जोकोविच ने मोंटेकार्लो मास्टर्स से नाम वापस लिया

मोनाको। नोवाक जोकोविच ने दाहिने कंधे की चोट के कारण मियामी ओपन में भाग न लेने के बाद मोंटेकार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से भी नाम वापस ले लिया है। इस क्लेकोर्ट टूर्नामेंट के आयोजकों ने इंस्टाग्राम पर जोकोविच के टूर्नामेंट से हटने की घोषणा करते हुए लिखा, "हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वह जल्द ही कोर्ट पर वापसी करेंगे।" इस पोस्ट में 38 वर्षीय जोकोविच के टूर्नामेंट से हटने का कारण स्पष्ट नहीं किया गया है, लेकिन 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने दो सप्ताह पहले बीएनपी पारिबास ओपन के चौथे दौर में जैक ड्रेपर से तीन सेटों में हारने के बाद से कोई मैच नहीं खेला है। एक साल पहले मोंटेकार्लो में जोकोविच दूसरे दौर में एलेजांद्रो तबिलो से हार गए थे।

आरबीआई ने निर्देशों का पालन न करने पर तीन सरकारी बैंकों, पाइन लैब्स पर मौद्रिक जुर्माना लगाया

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और पाइन लैब्स पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है। रिजर्व बैंक ने एक विज्ञप्ति में कहा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पर 95.40 लाख रुपये, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया पर 63.60 लाख रुपये, बैंक ऑफ इंडिया पर 58.50 लाख रुपये और पाइन लैब्स पर 3.10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के मामले में ग्राहक द्वारा अधिसूचना की तारीख से 10 कार्य दिवसों के भीतर अनधिकृत इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन में शामिल राशि को कुछ ग्राहकों के खातों में जमा नहीं किया गया था। साथ ही ग्राहकों को अनधिकृत बैंकिंग लेनदेन की रिपोर्ट करने के लिए 24 घंटे सुविधा प्रदान नहीं की गई और कुछ केसीसी

खातों में सिस्टम-आधारित परिसंपत्ति वर्गीकरण प्रक्रिया में 'मैन्युअल' हस्तक्षेप का सहारा लिया गया था। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के मामले में, जुर्माना इसलिए लगाया गया क्योंकि बैंक निर्धारित समय सीमा के भीतर कुछ ग्राहकों के केवाईसी रिकॉर्ड को केन्द्रीय केवाईसी रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री पर अपलोड करने में विफल रहा और कुछ ग्राहकों के अतिरिक्त बीएसबीडी (बुनियादी बचत बैंक जमा) खाते खोले, जिनके पास पहले से ही बैंक में बीएसबीडी खाते थे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि कुछ प्राथमिकता वाले क्षेत्र के ऋण खातों में तदर्थ सेवा शुल्क/निरीक्षण शुल्क व प्रसंस्करण शुल्क एकत्र करने और परिपक्वता की तारीख से उनके पुनर्भुगतान की तारीख तक कुछ सावधि जमा रसीदों (टीडीआर) पर ब्याज का भुगतान नहीं करने के लिए बैंक ऑफ इंडिया पर जुर्माना लगाया गया है।

केंद्रीय बैंक ने कहा कि पाइन लैब्स ने पीपीआई (प्रीपेड भुगतान उत्पाद) धारकों के 'अपने ग्राहक को जाने' (केवाईसी) को पूरा किए बिना कई पूर्ण-केवाईसी प्रीपेड भुगतान उपकरण (पीपीआई) जारी किए, जिसके कारण जुर्माना लगाया गया।

सरकार ने पीएम ई-ड्राइव योजना में संशोधन किया; ई-स्कूटर, ई-रिक्शा के लिए नई समय सीमा निर्धारित

नई दिल्ली। सरकार ने ई-स्कूटर और ई-रिक्शा के लिए नई समयसीमा और अधिकतम वाहनों की संख्या तय करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की योजना पीएम ई-ड्राइव में संशोधन किया है। केंद्र सरकार ने 10,900 करोड़ रुपये की पीएम ई-ड्राइव (पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एनहांसमेंट) दिशानिर्देश संशोधित किए हैं।

इसके अनुसार, 31 जुलाई, 2026 तक पंजीकृत इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन और 31 मार्च, 2028 तक पंजीकृत इलेक्ट्रिक तीनपहिया वाहन (ई-रिक्शा और ई-कार्ट) योजना के तहत प्रोत्साहन पाने के पात्र होंगे। प्रोत्साहन राशि का लाभ उठाने के लिए अधिकतम 'शोरूम' कीमत इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए 1.5 लाख रुपये और इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों (ई-रिक्शा और ई-कार्ट) के लिए 2.5 लाख रुपये तक सीमित है। पीएम ई-ड्राइव योजना एक सीमित निधि वाली योजना है। इस योजना के तहत कुल भुगतान 10,900 करोड़ रुपये के योजना परिव्यय तक सीमित रहेगा। भारी उद्योग मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा, ₹यदि योजना या इसके संबंधित उप-घटकों के लिए धनराशि योजना की अंतिम तिथि, यानी 31 मार्च 2028 से पहले समाप्त हो जाती है, तो योजना या इसके संबंधित उप-घटकों को तदनुसार बंद कर दिया जाएगा, यानी आगे कोई दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अधिसूचना में कहा गया कि पंजीकृत इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2026 होगी और पंजीकृत इलेक्ट्रिक तीन पहिया वाहनों (ई-रिक्शा और ई-कार्ट) के लिए अंतिम तिथि 31 मार्च, 2028 होगी। योजना के तहत इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए 24,79,120 और ई-रिक्शा एवं ई-कार्ट के लिए 39,034 वाहनों को ही प्रोत्साहन दिया जाएगा।

केंद्र मणिपुर में 6 नए कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित करेगा

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में राज्य के उपमुख्यमंत्री नेमचा किपगेन के साथ बैठक के बाद मणिपुर में छह नए कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) स्थापित करने की घोषणा की। एक सरकारी बयान में कहा गया कि उनके अनुरोध पर कदम उठाते, चौहान ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) को राज्य में छह नए केवीके खोलने का निर्देश दिया। उन्होंने उपमुख्यमंत्री से राज्य में 'टिश्यू कल्चर' प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए एक प्रस्ताव भेजने का भी आग्रह किया। किपगेन ने यहां राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय मंत्री के आधिकारिक आवास पर मुलाकात की और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई)-I की समयावधि बढ़ाने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

थर्मैक्स की अनुषंगी कंपनी को 1,600 करोड़ रुपये का 'बॉयलर पैकेज' ऑर्डर मिला

नई दिल्ली। ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी थर्मैक्स की अनुषंगी थर्मैक्स बैबकॉक एंड विल्कॉक्स एनर्जी सॉल्यूशंस ने एक अत्याधुनिक तापीय विद्युत परियोजना के लिए लगभग 1,600 करोड़ रुपये के बॉयलर पैकेज आपूर्ति का ऑर्डर हासिल किया है।

कंपनी के अनुसार, यह ऑर्डर भारत की एक प्रमुख तापीय ऊर्जा परियोजना कंपनी से 800 मेगावाट के संयंत्र के लिए मिला है। बयान में कहा गया है कि ऑर्डर के तहत बॉयलर का निर्माण, आपूर्ति, चालू करना और प्रदर्शन परीक्षण शामिल है।

थर्मैक्स के प्रबंध निदेशक और सीईओ आशीष भंडारी ने कहा कि यह ऑर्डर थर्मैक्स के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता है और बड़ी ऊर्जा परियोजनाओं को संभालने में हमारी क्षमताओं को और मजबूत करता है। हम अपने ग्राहक का थर्मैक्स पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद देते हैं और इस परियोजना को तेजी से और सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए तत्पर हैं।

पाकिस्तान, आईएमएफ ने 1.2 अरब डॉलर की राशि को लेकर किया समझौता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने दो अलग-अलग व्यवस्थाओं के तहत लगभग 1.2 अरब डॉलर के लिए एक शुरुआती समझौता किया है। आईएमएफ ने शनिवार को बताया कि दोनों पक्षों ने विस्तारित कोष सुविधा (ईएफएफ) की तीसरी समीक्षा और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने और अन्य पर्यावरण अनुकूल पहल से जुड़ी सुविधा के तहत दूसरी समीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न कर ली है। आईएमएफ के प्रतिनिधिमंडल ने 25 फरवरी से दो मार्च तक कराची और इस्लामाबाद में पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ बातचीत की थी, लेकिन उस समय कोई समझौता नहीं हो पाया था। इसके बाद बातचीत ऑनलाइन जारी रही और अंत में मुद्राकोष के अधिकारियों और सरकार के बीच सहमति बन गई। आईएमएफ ने एक बयान में कहा कि उसके अधिकारियों और पाकिस्तान के अधिकारियों के बीच इन दोनों व्यवस्थाओं की समीक्षा को लेकर सहमति बन गई है। पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय ने भी कहा कि 37 महीने की ईएफएफ व्यवस्था और 28 महीने की आरएसएफ व्यवस्था की समीक्षा पर सहमति बन गई है।

रेंटोमोजो ने आईपीओ के लिए सेबी के पास दस्तावेज दाखिल किए

नई दिल्ली। घरेलू फर्नीचर और उपकरण किराये पर देने वाली कंपनी रेंटोमोजो लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से धन जुटाने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। शुक्रवार को दाखिल की गई विवरण पुस्तिका (डीआरएचपी) के अनुसार, प्रस्तावित आईपीओ में 150 करोड़ रुपये तक के शेयर का नया निर्गम और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 2,83,99,567 शेयर तक की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) शामिल है। कंपनी ने कहा कि नए शेयरों से प्राप्त राशि का उपयोग कर्ज चुकाने, गोदाम और स्टोर के लिए पट्टा या लाइसेंस शुल्क देने, और सामान्य व्यावसायिक कार्यों के लिए किया जाएगा।

साइबर खतरे अब आंकड़ों की चोरी तक सीमित नहीं, जीवन को भी जोखिम: डेलॉयट

नई दिल्ली। बढ़ते साइबर हमलों के बीच अब खतरा सिर्फ आंकड़ों की चोरी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह सीधे लोगों की जान के लिए भी जोखिम बन गया है। एक वरिष्ठ साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ ने यह बात कही। डेलॉयट के दक्षिण एशिया में भागीदार और साइबर मामलों के प्रमुख गौरव शुक्ला ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी और संचालन प्रणालियों के आपस में जुड़ने से हमलों का दायरा बढ़ गया है। इससे विमानन, परिवहन और सार्वजनिक सेवाओं जैसे क्षेत्र ज्यादा खतरे में आ गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल बदलाव तेजी से हुआ है, जिससे हमले की संभावनाएं भी बढ़ी हैं।

जितनी ज्यादा प्रणालियां जुड़ती हैं, उतने ही अधिक मौके हमलावरों को मिलते हैं। शुक्ला ने उदाहरण देते हुए कहा कि अगर आप राजमार्ग पर 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आधुनिक प्रौद्योगिकी से लैस कार चला रहे हों और अचानक उसका स्टीयरिंग आपके नियंत्रण में न रहे, तो आप

अपने बैंक खाते की नहीं, बल्कि अपनी जान की चिंता करेंगे।₹ उन्होंने कहा कि इससे साफ है कि अब साइबर सुरक्षा केवल डेटा की सुरक्षा तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह सीधे मानव जीवन की सुरक्षा से जुड़ गई है।

शुक्ला ने बताया कि अगर किसी चिकित्सा उपकरण में साइबर हमला कर मरीज के बारे में जानकारी बदल दिए जाएं, तो यह जानलेवा हो सकता है। वहीं, बिजली उत्पादन या आपूर्ति व्यवस्था पर हमला होने से पूरे देश में अंधेरा छा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया की करीब आठ अरब आबादी के बीच 30 अरब से ज्यादा सेंसर वाले उपकरण मौजूद हैं, यानी हर व्यक्ति के आसपास औसतन तीन से अधिक ऐसे उपकरण होते हैं। भारत की डिजिटल प्रगति पर उन्होंने कहा कि देश की डिजिटल सार्वजनिक व्यवस्था, जिसे आम तौर पर 'इंडिया स्टैक' कहा जाता है, अब दुनिया के लिए एक उदाहरण बन चुकी है। डेलॉयट करीब 24 देशों को ऐसी ही व्यवस्था बनाने में सलाह दे रहा है। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि जैसे-जैसे यह व्यवस्था पहचान और भुगतान से आगे बढ़कर शिक्षा और स्वास्थ्य तक पहुंचेगी, वैसे-वैसे नए खतरे भी पैदा होंगे। जनवरी में भारत के लगभग 80 प्रतिशत डिजिटल भुगतान इसी व्यवस्था के माध्यम से हुए, इसलिए इसकी सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि अगर हमलावर कृत्रिम मेधा (एआई) का उपयोग करते हैं, तो हमले और तेज और बड़े स्तर पर हो सकते हैं। इसलिए लगातार जांच और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करना जरूरी है। शुक्ला ने कहा कि पारंपरिक युद्ध सीमित समय के होते हैं, लेकिन साइबर युद्ध लगातार चलते रहते हैं। इससे निपटने के लिए कंपनियों, शिक्षण संस्थानों और सरकार के बीच लगातार सहयोग जरूरी है। उन्होंने सुझाव दिया कि स्कूल स्तर पर ही साइबर सुरक्षा और डिजिटल नैतिकता की पढ़ाई शुरू की जानी चाहिए।

संध्या मृदुल : कुछ मिनटों का रोल, लेकिन असर गहरा

'साथिया' से मिली पहचान ने बदल दी किस्मत

मुंबई। फिल्मी दुनिया में अक्सर यही माना जाता है कि बड़ा रोल ही बड़ी पहचान दिलाता है, लेकिन कुछ कलाकार ऐसे होते हैं जो छोटे किरदार में भी अपनी छाप छोड़ जाते हैं। ऐसी ही एक अभिनेत्री हैं संध्या मृदुल, जिन्होंने फिल्म 'साथिया' में सीमित स्क्रीन टाइम के बावजूद अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींच लिया। यह वही फिल्म थी, जिसने उनके करियर को नई दिशा दी और उन्हें इंडस्ट्री में एक मजबूत कलाकार के रूप में पहचान दिलाई। संध्या मृदुल का जन्म मुंबई में हुआ था। उनके पिता पी.आर. मृदुल पेशे से वकील थे और बाद में जज बने। बचपन में ही उनका परिवार दिल्ली शिफ्ट हो गया। पढ़ाई के लिए उन्हें जयपुर भेजा गया। उनकी जिंदगी में बड़ा झटका तब आया, जब 14 साल की उम्र में उनके सिर से पिता का साया उठ गया। इसके बाद उनके बड़े भाई ने उनकी जिम्मेदारी संभाली। संध्या पढ़ाई में अच्छी थीं। उन्होंने मैथ्स से ग्रेजुएशन किया और फिर मार्केटिंग में पोस्ट पोस्टग्रेजुएशन करने के बाद कॉर्पोरेट जॉब भी की। एक सामान्य नौकरी से एक्टिंग की दुनिया में आना उनके लिए आसान नहीं था, लेकिन किस्मत ने उनका साथ दिया। उन्हें टीवी शो 'स्वाभिमान' में काम करने का मौका मिला और यहीं से उनके करियर की शुरुआत हुई। इसके बाद उन्होंने 'बनेगी अपनी बात', 'कोशिश' और 'हू ब हू' जैसे कई लोकप्रिय धारावाहिकों में काम किया और धीरे-धीरे टीवी की दुनिया में अपनी पहचान बना ली। टीवी के बाद उन्होंने फिल्मों की ओर रुख किया और साल 2002 में 'साथिया' में उन्हें बड़ा मौका मिला। इस फिल्म में रानी मुखर्जी और विवेक ओबेरॉय मुख्य भूमिका में थे, जबकि संध्या ने रानी मुखर्जी के किरदार की बहन दीना का रोल निभाया था। फिल्म की कहानी एक ऐसे कपल की है, जो परिवार के खिलाफ जाकर शादी करते हैं और बाद में जिंदगी की मुश्किलों का सामना करते हैं। संध्या का किरदार भले छोटा था, लेकिन उनकी दमदार एक्टिंग ने दर्शकों का दिल जीत लिया। यही वजह थी कि लोग उन्हें नोटिस करने लगे और उनके काम की तारीफ हुई। इसके बाद संध्या मृदुल ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। साल 2005 में आई 'पेज 3' में उन्होंने एयर होस्टेस का किरदार निभाया, जिसे क्रिटिक्स ने खूब सराहा। यह फिल्म भी सफल रही। उन्होंने 'हनीमून ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड', 'डेडलाइनः सिर्फ 24 घंटे' और 'द ग्रेट इंडियन बटरफ्लाई' जैसी फिल्मों में अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित की। संध्या सिर्फ फिल्मों तक ही सीमित नहीं रहीं। उन्होंने टीवी और वेब सीरीज में भी काम किया और हर प्लेटफॉर्म पर अपनी छाप छोड़ी। 'झलक दिखला जा' में वह फर्स्ट रनर-अप रहीं, जिससे उनकी लोकप्रियता और बढ़ी। उनकी मेहनत और प्रतिभा के लिए उन्हें कई अवॉर्ड्स और नॉमिनेशन भी मिले, जिनमें 'पेज 3' के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का सम्मान शामिल है। अपने करियर के दौरान संध्या ने कई मुश्किलों का सामना किया, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी।

एकता कपूर ने टाली 'भूत बंगला' की रिलीज डेट

बॉक्स ऑफिस पर जारी कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच निर्माता एकता कपूर ने बड़ा फैसला लेते हुए 'भूत बंगला' की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी है। पहले यह फिल्म 10 अप्रैल 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे एक हफ्ते आगे बढ़ाकर 17 अप्रैल 2026 कर दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फैसला 'धुरंधर 2: द रिवेंज' के साथ टकराव से बचने के लिए लिया गया है, जो फिलहाल सिनेमाघरों में जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। ट्रेड सूत्रों का कहना है कि 'धुरंधर 2' का बॉक्स ऑफिस पर दबदबा इतना मजबूत है कि ज्यादातर सिनेमाघरों में उसी का कब्जा बना हुआ है। ऐसे में नई फिल्मों के लिए पर्याप्त स्क्रीन्स मिलना मुश्किल हो रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए 'भूत बंगला' के निर्माताओं ने रिलीज टालना बेहतर समझा। मेकर्स किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहते। इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों के अनुसार, यह एक समझदारी भरा कदम माना जा रहा है, जिससे फिल्म के बिजनेस पर नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। शोभा कपूर ने भी इस फैसले का समर्थन किया है। इससे पहले कई बड़ी फिल्मों ने भी 'धुरंधर 2' के साथ टकराव से बचने के लिए अपनी रिलीज डेट बदली थी, जिससे इस फिल्म के बॉक्स ऑफिस प्रभाव का अंदाजा लगाया जा सकता है। गौरतलब है कि 'भूत बंगला' के जरिए अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की सुपरहिट जोड़ी करीब 14 साल बाद फिर साथ आ रही है। फिल्म में तब्बू, परेश रावल और राजपाल यादव भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे, जिससे इसे लेकर दर्शकों के बीच उत्साह बना हुआ है।

बॉक्स ऑफिस पर छाई 'धुरंधर 2', लगातार तोड़ रही रिकॉर्ड

'धुरंधर 2: द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर सुनामी बनकर उभरी है। रणवीर सिंह अभिनीत इस जासूसी एक्शन-थ्रिलर ने रिलीज के महज 9 दिनों के भीतर दुनियाभर में 1,100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर इतिहास रच दिया है। फिल्म का दबदबा घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी कायम है, जहां इसने जवान के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ते हुए नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। ट्रेड रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म ने दूसरे शुक्रवार को 41.55 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की, जिसके साथ इसका भारत में कुल कलेक्शन 715.72 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। फिल्म ने पहले ही दिन 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की ओपनिंग लेकर इतिहास रचा था और यह ऐसा करने वाली पहली बॉलीवुड फिल्म बन गई। अनुमान है कि दूसरे वीकेंड में भी फिल्म की कमाई 50-50 करोड़ रुपये से ऊपर बनी रह सकती है। वैश्विक स्तर पर भी फिल्म का जलवा कायम है। हालिया आंकड़ों के अनुसार, 'धुरंधर 2' ने दुनिया भर में कुल 1,128.99 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। खास बात यह है कि यह मुकाम फिल्म ने खाड़ी देशों में रिलीज हुए बिना ही हासिल किया है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में आर माधवन, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल और राकेश बेदी समेत कई दमदार कलाकार नजर आए हैं।